भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएँ

30 जुलाई - 05 अगस्त, 2025

jagrukjanta.net

श्रावण, पक्ष - शुक्ल, तिथि - षष्ठी, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-22, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भूख ऐसी लगी कि बुझने का नाम ही नहीं ले रही, भूख ही भूख!

सटीक

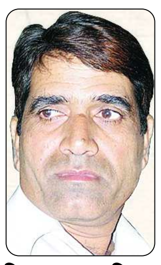

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

कहते हैं कि भूख एक ऐसी आग है, जिसको बुझाने के लिए आदमी कुछ भी करने को उतारू हो जाता है। पेट में लगी भूख तो कहीं न कहीं, कोई न कोई बुझा देगा, मगर किसी के दिल में आग लग जाए तो उसे कोई नहीं बुझा सकता है। भूख भी कोई एक प्रकार की तो है नहीं, भांति-भांति की भूख है। किसी को पैसे की भूख, किसी को जमीन की भूख, किसी को तन की भूख, किसी को मन की भूख। किसी को सांसारिक भूख तो किसी को पारलौकिक भूख। किसी को धर्म की भूख तो किसी को अधर्म की भूख। यहां धर्म और अधर्म दोनों अलग-अलग बातें हैं मगर हम यहां बात भूख की कर रहे हैं। भूख भी जमीन की, जिसकी भूख आदमी में खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। शहरों में पार्कों की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। कई जगह सड़कों पर गाड़ियों को भी खड़ा नहीं होने देते, पार्किंग के नाम पर पैसे वसूल लेते हैं। गांव के लोगों में खेती की जमीन खरीदने की भूख बढ़ती ही जा रही है तो शहरों में रिहायशी और व्यावसायिक प्लाट खरीदने की भूख बढ़ रही है। ये ऐसी भूख है जो थमने का नाम ही नहीं ले रही है। अगर देखा जाए तो गौशालाओं की जमीनें हों, चाहे श्मशान और कब्रिस्तान की जमीनें। सब पर कब्जे होते ही जा रहे हैं। गांवों में पहले आम रास्तों के अगल-बगल में काफी जमीनें होती थी, पशुओं के लिए चारागाह भूमि हुआ करती थी, जिनमें उगे घास को खाकर पशु अपना पेट भरते थे। आम आदमी के घरों में गाय-भैंस, भेड़-बकरी, ऊंट आदि पालतू पशु हुआ करते थे। ऐसे में जिनके जमीन नहीं होती थी उनके पशु भी इन चारागाह जमीनों में आराम से अपना पेट भर लेते थे। मगर अब हालत यह है कि चारागाहों पर भी कब्जे हो गए, आम रास्तों के अगल-बगल वाली जमीनों को तो छोड़िए, आम रास्तों को ही पगडंडी बना दी गई है। एक-दूसरे के खेतों के बीच में जो जमीन होती थी उन्हें डोड़ा बोला जाता था, अब डोड़े देखने को ही नहीं है, सब डोड़ी बन कर रह गई है। सारी खाली जमीनें गायब। इसी प्रकार शहरों में जहां भी खाली जमीन दिखाई दे जाए, वहीं कच्ची बस्ती बस जाती है या फिर कोई भी दबंग लट्ठ के जोर पर कब्जा कर लेता है और फिर येन-केन-प्रकारेण कागज बनवाने की प्रक्रिया में लग जाते हैं। देर-सबेर कागज भी बन ही जाते हैं। अगर किसी कारणवश नहीं बन पाए तो अवैध तरीके से ही कब्जा बनाए रखते हैं। मुकदमे लड़ते रहते हैं, मगर ये भूख मिटने का नाम ही नहीं लेती।

shivdayalmishra@gmail.com

डबल इंजन@नई दिल्ली

मुख्यमंत्री शर्मा की मोदी से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जो करीब 45 मिनट तक चली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान में डबल इंजन सरकार के तहत चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। मुलाकात के बाद भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर सहयोग से राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

सीएम ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में हमारी सरकार ने सभी बाधाओं को पार करते हुए प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। उन्होंने बताया कि डबल इंजन सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों और वंचित वर्गों को न्याय दिलाने और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि मोदी ने राजस्थान को भविष्य में और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है। इस मुलाकात में झालावाड़ के पीपलोदी गांव में हुए स्कूल हादसे पर भी चर्चा हुई, जिस पर प्रधानमंत्री ने अपनी संवेदना व्यक्त की थी। यह हादसा वसुंधरा राजे के गृह क्षेत्र झालावाड़ में हुआ, जहां उनके बेटे दुष्यंत सिंह सांसद हैं। इस घटना ने प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए थे, जिसे लेकर पीएम ने मुख्यमंत्री से फीडबैक लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुआ एक नई हरित क्राति का सूत्रपात

आमजन की सक्रियता से 'हरयाळो राजस्थान' बना जन-आंदोलन

प्रदेशभर में 6 करोड़ 81 लाख से अधिक का पौधारोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में एक नई हरित क्रांति का सूत्रपात हुआ है। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरयाळो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है जिसमें आमजन सहित राजकीय, गैर-राजकीय संस्थान प्रदेश के सभी अंचलों में वृक्षारोपण कर रहे हैं। केवल चार महीनों के समय में ही 6 करोड़ 81 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं जोकि प्रदेश का ग्रीन कवर बढ़ाने में दूरगामी कदम है। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन भारतीय संस्कृति में अभिन्न अंग है। आमजन वृक्षों के संरक्षण को प्रकृति के प्रति अपना प्रमुख नैतिक कर्तव्य मानते हैं और इसकी निष्ठा से पालना भी करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इन्हीं मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए हरयाळो राजस्थान महाभियान का नवाचार किया है। इस महाभियान का लक्ष्य न केवल पौधे लगाना है बल्कि उसका वृक्ष के रूप में आकार लेने तक संरक्षण करना भी है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुए 'एक पेड़ मां के नाम' की भावना को इसमें प्रमुखता से समाहित किया गया है ताकि प्रदेशवासी जब मां के नाम पौधा लगाएं तो उसे परिवार का सदस्य मानकर देखभाल भी करें।

'ऑपरेशन सिंदूर जारी, पाकिस्तान ने जरा सी गड़बड़ी की तो मिलेगा करारा जवाब', संसद में बोले पीएम मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सदन में चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी सवालों के जवाब दे रहें। सदन में वह ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर समेत कई मुद्दों पर जवाब दे रहे हैं। पीएम मोदी सदन में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी जवाब दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस मजा ले रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 1971 में अगर समझ होती तो PoK वापस आ जाता। कांग्रेस करतारपुर साहिब तक वापस नहीं ला पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ लोग पूछ रहे हैं कि PoK को वापस क्यों नहीं ले रहे हो? इससे पहले उनसे पूछना होगा कि किसकी सरकार ने PoK पर कब्जा करने का मौका दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि जब सीमा पर सेनाएं सक्षम होती हैं। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होता है। कांग्रेस ने सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सोचा तक भी नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन महादेव पर कहा कि पहलगाम आतंकियों को मार गिराया गया है। विपक्ष ने ऑपरेशन महादेव पर भी सवाल उठाए हैं। मोदी ने कहा कांग्रेस का भरोसा पाकिस्तान के रिमोट कंट्रोल से बनता और बदलता है। कांग्रेस के एक बिल्कुल नए सदस्य ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तो तमाशा था। कांग्रेस का ये बयान जख्मों पर तेजाब छिड़कने जैसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के एक हजार मिसाइलें और ड्रोन मार गिराए गए। हमारे एयर डिफेंस सिस्टम की हर जगह चर्चा हो रही है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें

जागरूक खबरें

सुधीर माथुर अध्यक्ष बने

जयपुर @ जागरूक जनता। डॉ. पीएन मेहरा स्मृति होम्योपैथिक अस्पताल में मानव हितकारी संघ की 63वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) आयोजित की गई। बैठक में रघुसिन्हा माला सिन्हा ट्रस्ट के ट्रस्टी सुधीर माथुर को संगठन का अध्यक्ष चुना गया। अजय कोचर उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। नवगठित कार्यकारिणी होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, वीट ग्रास चिकित्सा, फिजियोथेरेपी और कैंसर सहायता समूह जैसे माध्यमों से मानवता की सेवा को समर्पित है। संघ के प्रमुख डॉ आलोक मेहरा ने बताया कि यह संगठन निरंतर वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से समाज कल्याण के कार्यों में जुटा है। संघ की विशेषता होम्योपैथी के माध्यम से कैंसर के इलाज में है।

19वां कल्पना चावला मेमोरियल अवॉर्ड समारोह भव्य रूप से होगा आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में दिनांक 30 जुलाई (बुधवार) को 19वां कल्पना चावला मेमोरियल अवॉर्ड समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह समारोह प्रातः 9 बजे से उत्सव सभागार में आरंभ होगा। भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की स्मृति में हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस विशेष कार्यर् म का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रेरणा, आत्मविश्वास और उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है।इस अवसर पर कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु प्रसिद्ध मोटिवेशनल गुरु एवं काउंसलर डॉ. संजय बियानी द्वारा प्रेरणादायक सत्र और करियर काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप भी प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी उच्च शिक्षा में सहयोग मिल सके और वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

आरएएस मुख्य परीक्षा 2023: सातवें चरण के साक्षात्कार पत्र जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2023 के पदों हेतु सातवें चरण के साक्षात्कार पत्र जारी कर दिए है। आयोग की उप सचिव चित्रा जैनानी ने बताया कि सातवें चरण के साक्षात्कार 4 अगस्त से 21 अगस्त 2025 तक आयोजित किए जाएंगे।

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभः यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

अब प्रदेश में वाहनों का रीयल टाइम, निगरानी, सुरक्षा होगी आसान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक मजबूत एवं यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार सभी संभव प्रयास कर रही है। नवाचारों एवं तकनीक के प्रयोग से यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी दिशा में परिवहन भवन में बैरवा ने व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में संचालित सार्वजनिक सेवा के वाहनों की रीयल टाइम निगरानी एवं यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रदेश के सार्वजनिक परिवहन यानों जैसे यात्री बस, टैक्सी कैब, मैक्सी कैब वाहन एवं केंद्र या राज्य सरकार द्वारा आदेशित वाहन श्रेणी वाहनों के अवैध संचालन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत रुट संचालन के नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लाइव लोकेशन ट्रैकिंग एवं बढ़ेगी यात्री सुरक्षा

इस सिस्टम के तहत प्रत्येक सार्वजनिक सेवा वाहन में जीपीएस आधारित डिवाइस लगाकर कमांड एवं कण्ट्रोल सेंटर द्वारा वाहन की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। प्रशासनिक निगरानी के लिए इसमें उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से वाहन की गति, रूट, स्टॉपेज एवं डिवाइस की कार्यशीलता जैसी जानकारियाँ रियल टाइम में प्राप्त होती है। इसके इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम के तहत संचालित पैनिक बटन से यात्रियों को आपात स्थिति में स्टेट ईआरएसएस (112) द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा यह पहल विशेष रूप से महिलाओं एवं अन्य संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। प्रदेश में लगभग 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों पर यह डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाए जाएंगे। वर्तमान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 892 बसों में AIS -140 मानक की VLT डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाकर VLTS सिस्टम को एक्टिवेट किया जा चुका है।

तकनीक की मदद से होगा यातायात नियमों का क्रियान्वयन

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने विभाग की ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन एवं हाइपोथेकेशन रिमूवल मॉड्यूल का भी उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य में E-Detection System को लागू किया जा रहा है। ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन के माध्यम से राज्य के टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों की स्वचालित निगरानी की जाएगी। प्रदेश के विभिन्न टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों की सूचना टोल प्लाज़ा द्वारा ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन पर नियमित रूप से अपलोड की जाएगी। इसके लिए NHAI के 145 और MoRTH के 13 टोल प्लाजा को ऑनबोर्ड किया गया है। टोल प्लाजा से गुजरने वाले जिन वाहनों के दस्तावेज वैध नही पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध स्वतः चालान जारी कर दिया जाएगा। प्रथम चरण में ट्रांसपोर्ट श्रेणी के चालान जारी किये जायेंगे, जिसके बाद नॉन-ट्रांसपोर्ट श्रेणी के वाहनों को भी इसमें शामिल किया जायेगा। शत प्रतिशत डिजिटल प्रणाली होने से यातायात नियमों में पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाइपोथेकेशन रिमूवल मॉड्यूल के द्वारा वाहनों के फर्जी हाइपोथेकेशन रिमूवल पर रोक लगेगी एवं वाहन स्वामी को घर बैठे हाइपोथेकेशन रिमूवल की सुविधा मिल जाएगी।

सभी 305 निकायों के लिए नई व्यवस्था, अब मकान और सड़क का लेवल हमेशा एक रहेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के सभी 305 शहरों (नगरीय निकाय) में भी ऊंची सड़क और नीचे मकान की समस्या अब दूर होगी। नगरीय विकास विभाग के बाद अब स्वायत्त शासन विभाग ने भी सड़क की मौजूदा परत हटाए बिना डामर या कंक्रीट की नई परत बिछाने पर रोक लगा दी है। इससे मकान और सड़क का लेवल हमेशा एक जैसा बना रहेगा।

'मिल एंड फिल' नीति लागू

विभाग ने सड़कों के नवीनीकरण के लिए तत्काल प्रभावी से 'मिल एंड फिल' नीति लागू कर दी है। जो सड़क उखाड़ी जाएगी, उसके मैटेरियल को सड़क निर्माण में रि-यूज किया जाएगा।

जलभराव की बढ़ रही समस्या

सड़कों की ऊंचाई बढ़ने के कारण जलभराव की समस्या बढ़ती जा रही है। खासकर उन उन कॉलोनियों में राहत मिलेगी जो 20-30 साल पहले बसी थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में हिदायत दी थी।

अब सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ेगी

सड़कों की मिलिंग यानी पुरानी परत को मशीन से हटाकर उसी डामर को दोबारा उपयोग में लिया जाएगा। इससे सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ेगी, साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और वित्तीय बचत भी हो सकेगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी ऐसे ही कई सर्कुलर जारी कर चुकी है, जिसमें इस तकनीक को बढ़ावा दिया गया है।

यूईएम 'रेडियो मिर्ची बिज़नेस क्लास अवार्ड्स 2025' में सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM) जयपुर को "राजस्थान में तकनीकी शिक्षा में अग्रणी उत्कृष्टता और सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट वाला विश्वविद्यालय" श्रेणी में प्रतिष्ठित रेडियो मिर्ची बिज़नेस क्लास अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान यूईएम जयपुर की शैक्षणिक नवाचार, उद्योग-सम्बंधित शिक्षा और छात्र-केंद्रित विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक ज्वलंत प्रमाण है। यह पुरस्कार समारोह जयपुर के भव्य द पैलेस होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में शिक्षा, व्यवसाय और शासन के क्षेत्र में उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के दूरदर्शी, अग्रणी और उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोगों को एक साथ लाया गया।

समारोह में राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग के राज्य मंत्री हीरालाल नागर और राजस्थान सरकार के शहरी विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनकी उपस्थिति ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के प्रति सरकार के समर्थन को और पुष्ट किया। समारोह में प्रशंसित बॉलीवुड अभिनेत्री सुश्री दिव्या दत्ता की उपस्थिति ने भी चार चाँद लगा दिए, जिन्होंने इस जीवंत शाम में चार चाँद लगा दिए।

यूईएम जयपुर की ओर से यह पुरस्कार एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल द्वारा गर्व से ग्रहण किया गया, जिसमें प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार एवं प्रोवोस्ट, प्रो. (डॉ.) मुकेश यादव, एसोसिएट डीन-अकादमिक एवं विदेश संबंध, और डॉ. गौरव श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, फिजियोथेरेपी विभाग शामिल थे। उनकी उपस्थिति और प्रतिनिधित्व ने शैक्षणिक और वैश्विक मंचों पर उत्कृष्टता के लिए संस्थान की निरंतर खोज को चिह्नित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, यूईएम जयपुर की माननीय कुलपति प्रो. बनानी चक्रवर्ती होबले ने इस सम्मान पर गहरा गर्व और संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "यह सम्मान न केवल हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता का सम्मान है, बल्कि हमारे छात्रों की सफलता और हमारे संकाय एवं नेतृत्व के अथक प्रयासों का भी उत्सव है। यूईएम जयपुर में, हमने हमेशा एक ऐसे भविष्य की कल्पना की है जहाँ शिक्षा कक्षाओं से आगे बढ़कर जीवन को बदल दे।

नीट यूजी काउंसिलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जैसलमेर-टोंक मेडिकल कॉलेज को मंजूरी नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नीट यूजी मेडिकल और डेंटल एडमिशन/काउंसलिंग बोर्ड 2025, एसएमएस मेडिकल कॉलेज ने MBBS प्रथम राउंड प्रवेश हेतु सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की अस्थायी सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है। लेकिन इस सूची में जैसलमेर और टोंक के प्रस्तावित मेडिकल कॉलेजों को शामिल नहीं किया गया है। राज्य सरकार ने उम्मीद जताई है कि मौजूदा शैक्षणिक सत्र से केंद्र सरकार इन दोनों प्रस्तावित मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति दे सकती है। यदि केंद्र की मंजूरी मिलती है तो इन जिलों के छात्र-छात्राओं को भी अपने ही जिलों में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

राजस्थान आवासन मंडल की 251वीं बोर्ड बैठक आयोजित

भूमि चिह्नांकन कर शुरू करें नई योजनाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में राजस्थान आवासन मंडल की 251वीं बोर्ड बैठक मंडल मुख्यालय में आयोजित हुई। बैठक में मंडल अध्यक्ष द्वारा बुधवार नीलामी व प्रीमियम संपत्तियों की नीलामी को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को आमजन का भरोसा बताया गया। अध्यक्ष ने मिशन मोड में भूमि चिन्हांकन कर नई आवासीय योजनाएं शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में नवीन मॉडल भवन विनियम-2025 को मंजूरी दी गई तथा सिटी पार्क जयपुर के विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने निर्णयों की त्वरित क्रियान्विति व लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव डॉ. अनिल कुमार पालीवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीणा, प्रतीक श्रीवास्तव, वित्तीय सलाहकार रोहिताश सिंह सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

लैंडस्केप पार्क सहित तीन पार्कों में नीड़ ने लगाए फलदार पौधे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पक्षियों के संरक्षण व संवर्धन में जुटी नीड़ संस्था की ओर से लैंडस्केप पार्क सहित तीन पार्कों में फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर आयोजित समारोह में पर्यावरण प्रेमियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण व कचरा प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि पशु पक्षी हरियाली लोगों का मन हरते हैं। वहीं पूर्व आईएएस मनोज शर्मा पत्रकार व हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सन्नी सबैस्टियन ने यहां इस पार्क में पक्षियों की निरन्तर वृद्धि के लिए नीड के अभियान की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. जी.एल. शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। नीड के संयोजक अजीत तिवारी ने बताया कि जिन बाग बगीचों में दाना-पानी के परिंडे लगाए गए हैं वहां पर्याप्त फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे। इसी क्रम में श्रीराम गोपेश्वर महादेव मंदिर व रोज गार्डन में भी फलदार पौधे लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में आनन्द जोशी, मुकुट शर्मा, इंद्र खत्री, रमेशचन्द्र शर्मा, राम अवतार स्वामनी, वाईडी शर्मा व आनन्द विद्यार्थी सहित कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में "चाणक्य" फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

"सच्चा शिक्षक वह है जो ज्ञान से परिपूर्ण और अहंकार से मुक्त हो"- डॉ. बियानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम "चाणक्य" का शुभारम्भ किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 जुलाई से 1 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक एवं प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. संजय बियानी, डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शिखा दुग्गड़ तथा सभी नवनियुक्त शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस प्रोग्राम का उद्देश्य शिक्षकों को शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना, नैतिक मूल्यों से जोड़ना और उत्कृष्ट अध्यापन की ओर मार्गदर्शन करना है।

कार्यक्रम में डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने कहा कि एक सच्चे शिक्षक को शब्दों की समझ ज्ञान जिज्ञासा होनी चाहिए, क्योंकि ज्ञान ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि अहंकार सीखने में सबसे बड़ी बाधा है, जबकि सच्चा ज्ञान हमें आंतरिक प्रसन्नता, शांति और सत्य से जोड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञान के क्षेत्र में स्वयं से बाहर दिखाई देता हैं, और जो अनुभव किए जाते हैं जैसे भावनाएं, खुशी ,शांति और सत्य, वे ज्ञान हैं। उनके अनुसार, शिक्षा एक प्रक्रिया है जो एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचती है, जबकि विद्या उसका रचनात्मक रूप है। शिक्षा का सही अर्थ है सुनना, सीखना, समझना और उसे जीवन में लागू करना।इसके साथ ही उन्होंने ताली के माध्यम से पाँचों इन्द्रियों की भूमिका को समझाया, नाम जप व ओम चेंटिंग के लिए प्रेरित किया और उनके महत्व पर ज़ोर दिया। साथ ही ओवरथिंकिंग व जलन जैसी नकारात्मक भावनाओं से दूर रहने की सलाह दी, ताकि व्यक्ति मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त कर सके। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यापकों को पुस्तक व शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गयी। डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने दूसरे सत्र के दौरान सभी नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत करते हुए संस्थान के प्रति "अपनत्व और निष्ठा" बनाए रखने का संदेश दिया, साथ ही कॉलेज की विशिष्ट विशेषताओं से भी सभी को परिचित कराया। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अपर्णा ने अपनी जीवन यात्रा साझा करते हुए एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए तीन महत्वपूर्ण सुझाव दिए–कक्षा में पूरी तैयारी के साथ आना, विद्यार्थियों के लिए एक रोल मॉडल बनना, और अपने कार्य के प्रति पूर्ण ईमानदारी रखना।

एचआर मैनेजर पुष्पा शर्मा ने एच.आर. नियमों की जानकारी देते हुए समय पालन, वेतन संरचना, ड्रेस कोड समेत शिक्षक की जिम्मेदारियों और आचरण संहिता पर प्रकाश डाला, ताकि नए शिक्षक संस्थान की कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझ सकें।

राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह-संपूर्णता अभियान से सुशासन, समावेशी विकास को मिली नई गति

आर्थिक समृद्धि और सतत् विकास के लिए प्रतिबद्ध राजस्थान सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय के विचारों को समाहित करते हुए आशान्वित जिला और आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को राहत प्रदान की जा रही है और विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समावेशन को संस्थागत रूप देने और सुशासन को कार्यसंस्कृति का सबसे प्रमुख हिस्सा बनाने पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शर्मा सोमवार को एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में क्षेत्रीय विषमताएं दूर कर पिछड़े जिलों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए जनवरी 2018 में आशान्वित जिला कार्यक्रम प्रारंभ किया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित जिलों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन व कौशल विकास तथा बुनियादी ढांचे जैसे पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बारां, जैसलमेर, धौलपुर, करौली और सिरोही जिलों को इसमें सम्मिलित किया गया। वहीं वर्ष 2023 में प्रारम्भ हुए आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम में राजस्थान के 27 ब्लॉकों को भी शामिल किया गया।

नागरिकों का सामाजिक समावेशन हो रहा सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जिलों और ब्लॉक्स ने नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न मानकों पर अच्छी प्रगति की है। ये कार्यक्रम जिला और ब्लॉक्स को समग्र विकास की प्रक्रिया में ला रहे हैं। इससे नागरिकों की आर्थिक समृद्धि और उनका सामाजिक समावेशन सुनिश्चित हो रहा है। शर्मा ने कहा कि इन कार्यक्रमों के तहत देशभर में सुशासन, समावेशी विकास और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जुलाई से सितंबर 2024 तक संपूर्णता अभियान चलाया गया, जिसे अभूतपूर्व सफलता मिली है।

गुरु गोलवलकर आकांब्लॉक विकास योजना से विकास को मिल रही गति

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछड़े जिलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। गुरु गोलवलकर आकांब्लॉक विकास योजना के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक जिले से एक ब्लॉक का चयन किया गया है। प्रदेशभर में कुल 41 आकांब्लॉकों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना, कौशल विकास एवं सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देकर उन्हें विकसित ब्लॉकों की श्रेणी में लाने का संकल्प लिया गया है।

राज्य सरकार की योजनाओं के केन्द्र में अंत्योदय

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, बाबासाहेब अंबेडकर आदर्श ग्राम विकास योजना, गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं और कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उनका सामाजिक और आर्थिक उत्थान करते हुए अंत्योदय के संकल्प को साकार कर रहे हैं।

सतत् विकास का प्रमुख आधारबनेगा विजन डॉक्यूमेंट

शर्मा कहा कि प्रदेश की आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास तथा समावेशी प्रगति को केंद्र में रखते हुए राज्य सरकार 'विकसित राजस्थान/2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर रही है। इस डॉक्यूमेंट में भविष्य की जनसंख्या के अनुरूप दीर्घकालीन योजनाओं को समाहित किया जा रहा है। यह विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प को सिद्धि तक लेकर जाएगा।

'हरियालो राजस्थान' पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान महाअभियान की पहल की है। यह पहल जनसहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज के पावन पर्व पर प्रदेशभर में ढ़ाई करोड़ पौधारोपण कर रिकॉर्ड बनाया है। इस वर्ष राज्य सरकार ने 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत नीति आयोग द्वारा स्थापित 6 प्रमुख संकेतकों की संतृप्ति में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों एवं 23 ब्लॉकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया। उन्होंने 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले जिले करौली को स्वर्ण पदक तथा 4 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले 4 जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर एवं सिरोही को कांस्य पदक से सम्मानित किया। साथ ही आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति वाले 3 ब्लॉकों जायल (नागौर), रानी (पाली) और खैरवाड़ा (उदयपुर) को स्वर्ण पदक के साथ ही शेष ब्लॉकों को रजत, कांस्य एवं ताम्रपत्र श्रेणी में पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान सात तत्कालीन जिला कलेक्टर्स को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत और नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव रोहित कुमार ने आकांजिला एवं ब्लॉक्स कार्यक्रमों की क्रियान्विति और इसके सकारात्मक प्रभाव तथा उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस दौरान एचसीएम रीपा की महानिदेशक श्रेया गुहा और आयोजना विभाग में प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों और जिलों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

विधानसभा शिव मंदिर में देवनानी ने किया सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित विधानेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के सोमवार के पावन पर्व पर सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक अनुष्ठान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने शिव पंचायत पूजन, शिव जलाभिषेक, सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक करके महाआरती की शुरूआत की। श्री देवनानी ने पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख- समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक हरिमोहन शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य सहित अनेक विधायकगण मौजूद थे। प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा विशिष्ट सहायक केके शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से सहस्त्र घट, रूद्राभिषेक और महाआरती में श्रद्धा के साथ भाग लिया। अंत में सभी ने प्रसादी ग्रहण की।

जन आधार एप्लीकेशन का नया वर्जन लॉन्च, जन आधार से संबंधित कार्य होंगे सुगम

जयपुर @ जागरूक जनता। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा जन आधार एप्लीकेशन का अपग्रेडेड वर्जन लॉन्च किया गया है। विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह ने बताया कि इस नवीन एप्लीकेशन के आधुनिक इंटरफेस के माध्यम से जन आधार से संबंधित कार्यों को अधिक सुगम, सुरक्षित, और त्वरित रूप से संपादित किया जा सकेगा। जन आधार, राजस्थान के नागरिकों का परिवार पहचान कार्ड है, जिसका उद्देश्य विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहज, सुलभ, और पारदर्शी तरीके से नागरिकों तक पहुंचाना है। इस नए वर्जन के प्रभावी संचालन के लिए संबंधित कार्मिकों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान के लिए दूरभाष संख्या 0141-2923373 अथवा ई-मेल support.janaadhaar@rajasthan.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

दरगाह हजरत दीवाना शाह उर्स मेले में 9 ट्रेनों का कपासन स्टेशन पर 2 मिनट होगा ठहराव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे द्वारा '84वें दरगाह हजरत दीवाना शाह उर्स के मेले' के अवसर 9 रेलसेवाओं का 1 से 3 अगस्त तक कपासन स्टेशन पर ठहराव दिया जा रहा है।

» गाडी संख्या 19665, खजुराहो-उदयपुर सिटी 31.07.25 से 02.08.25 तक खजुराहो से प्रस्थान करेगी वह कपासन स्टेशन पर 4.51 बजे आगमन कर 4.53 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 19666, उदयपुर सिटी-खजुराहो रेलसेवा जो दिनांक 01.08.25 से 03.08.25 तक उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह कपासन स्टेशन पर 23.22 बजे आगमन व 23.24 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 22901, बान्द्रा टर्मिनस-उदयपुर सिटी रेलसेवा जो दिनांक 31.07.25 एवं 02.08.25 को बान्द्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी वह कपासन स्टेशन पर 12.51 बजे आगमन कर 12.53 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 22902, उदयपुर सिटी-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा जो दिनांक 01.08.25 एवं 03.08.25 को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह कपासन स्टेशन पर 22.19 बजे आगमन व 22.21 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 12315, कोलकाता- उदयपुर सिटी रेलसेवा जो दिनांक 31.07.25 को कोलकाता से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 22.43 बजे आगमन व 22.45 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 20971, उदयपुर सिटी-शालीमार रेलसेवा जो दिनांक 02.08.25 को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 02.18 बजे आगमन व 02.20 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 19616, कामाख्या-उदयपुर सिटी रेलसेवा जो 31.07.25 को कामाख्या से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 21.55 बजे आगमन व 21.57 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 12981, जयपुर-असारवा रेलसेवा जो दिनांक 31.07.25 से 02.08.25 तक जयपुर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 02.02 बजे आगमन व 02.04 बजे प्रस्थान करेगी।

» गाडी संख्या 12982, असारवा- जयपुर रेलसेवा जो दिनांक 31.07.25 से 02.08.25 तक असारवा से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 01.34 बजे आगमन व 01.36 बजे प्रस्थान करेगी।

राजस्थान सरकार की नई योजना, असाध्य रोगों से ग्रस्त बुजुर्गों को घर पर मिलेगा उपचार

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार ने असाध्य व गंभीर बीमारियों से ग्रसित बुजुर्गों को घर पर इलाज देने के लिए 'होम बेस्ड पेलीएटिव केयर' नामक योजना शुरू की है। योजना के तहत असाध्य बीमारियों से ग्रसित ऐसे बुजुर्ग मरीज, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती होकर इलाज की आवश्यकता की विवशता नहीं है या जो मरीज कहीं आ-जा पाने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें अपने घर पर ही इलाज, देखभाल व परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। योजना मुख्य रूप से कैंसर, लकवा, किडनी, हृदय व साँस रोग से ग्रसित बुजुर्ग मरीजों के लिए है।

भा. कृ. अनु. प. - केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान
ICAR - Central Sheep and Wool Research Institute
Avikanagar, Malpura, Rajasthan - 304501
Tel. Nos. +91-1437-220162 / 220 164 FAX: +91-1437-220163
Email: hoa.cswri@icar.org.in, cswriadm2@gmail.com : Web site: www.cswri.res.in
विज्ञापन संख्या CSWRI/04/2025 दिनांक: 29.07.2025

विज्ञप्ति

भा॰ कृ॰ अनु॰ प॰ - केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में "Genome Wide Association Study for Economically Important Traits in Indian Sheep Breeds" परियोजना के तहत 01 (एक) Junior Research Fellow पद को अनुबंध के आधार पर भरने के लिए walk in interview आयोजन किया जाना है अधिक जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट www.cswri.res.in पर जाए।

प्रधान अन्वेषक

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के राजस्थान पर्यटन को देश दुनिया का सिरमौर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास ला रहें हैं रंग

राजस्थान पर्यटन को मिला "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी की ओर से राजस्थान पर्यटन को देश दुनिया का सिरमौर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास रंग ला रहें हैं। इसी का सुपरिणाम है कि राजस्थान पर्यटन के ताज में एक के बाद एक उपलब्धियों के रत्न जड़ित होकर शोभा बढ़ा रहें हैं।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव ने बताया कि राजस्थान के सांस्कृतिक, ग्रामीण, वन्य, धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहें बेहतरीन कार्यों, बजट के द्वारा आधारभूत पर्यटन सुविधाओं के विकास सहित जयपुर में आईफा का शानदार आयोजन, भव्य तीज महोत्सव के आयोजनों से राजस्थान पर्यटन को शिखर की ओर अग्रसर करने के प्रयास निरंतर किये जा रहें हैं। पावणों की आवभगत और अपनी शाही पहचान के लिए विख्यात जयपुर को प्रतिष्ठित ट्रेवल एंड लेजर पत्रिका के रीडर्स सर्वे और वोटिंग में दुनिया के घूमने-देखने लायक टॉप-5 शहरों में शामिल कर, पांचवां स्थान मिलने के बाद अब राजस्थान पर्यटन को "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार मिला है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आई क्रिएटिव माइंड्स की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर राजस्थान पर्यटन विभाग को बधाई दी है।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव ने बताया कि सोशल मीडिया प्रचार प्रसार, पर्यटकों तथा पर्यटन विशेषज्ञों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर राजस्थान पर्यटन को "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार 26 जुलाई (शनिवार) को नई दिल्ली में आई क्रिएटिव माइंड्स द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन एवं ट्रैवल पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से संयुक्त निदेशक पर्यटन, अजय कुमार शर्मा द्वारा यह पुरस्कार ग्रहण किया गया। उल्लेखनीय है कि आई क्रिएटिव माइंड्स समूह पर्यटन उद्योग के क्षेत्र में गत 25 वर्षों से कार्य कर रहा है। समूह द्वारा पर्यटन सम्मेलनों, उद्योग बैठकों, प्रदर्शनियों, देश के राज्यों, एयरलाइनों, पर्यटन विशेषज्ञों के मध्य समन्वय एवं पर्यटन पत्रिका ट्रैवल मेल के माध्यम से पर्यटन का प्रचार प्रसार किया जाता है।

पैक्स विहीन 39 ग्राम पंचायतों में शीघ्र कराएं ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला सहकारिता विकास कमेटी (डीसीडीसी) की बैठक का आयोजन मंगलवार को श्रीमान अतिरिक्त जिला कलक्टर, शहर उत्तर, जयपुर मुकेश मूण्ड की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में उन्होंने पैक्स विहीन 39 ग्राम पंचायतों में शीघ्र ग्राम सेवा सहकारी समिति के गठन हेतु निर्देशित किया। पैक्स कम्पयूटराईजेशन योजनान्तर्गत चयनित पैक्स को अगस्त माह में गो एण्ड लाइफ किये जाने एवं सीएससी में पंजीकृत पैक्स में आय बढ़ाने के अवसर हेतु निर्देशित भी किया गया है। म्हारो खातो म्हारो बैंक योजना के अंतर्गत पंजीकृत दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के खाते केन्द्रीय सहकारी बैंक में खुलवाने एवं दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम की सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया।

विश्व की सबसे बडी अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत कालवाड जीएसएस एवं चांदमाकलां जीएसएस में पूर्ण गोदाम को आय अर्जित करने के प्रयास करने हेतु अतिरिक्त जिला कलक्टर के द्वारा निर्देशित किया गया। जिसमें प्रबन्ध निदेशक, दि जयपुर सैन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि., उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर/ग्रामीण), उप रजिस्ट्रार, जयपुर डेयरी, जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड, जिला अधिकारी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, प्रतिनिधि एफसीआई, प्रतिनिधि एसडब्लूसी जिला प्रभारी राजीविका, जिला अधिकारी शिक्षा विभाग, जिला प्रबन्ध निदेशक इफको एवं कृभको उपस्थित रहे।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management
MSGJET
SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ Pamphlets ★ Bill Book ★ ID Cards ★ Banners ★ Brochure ★ Letterhead ★ Envelope ★ Signages ★ Calendars ★ Diary ★ Bags ★ Pen Stand ★ Paper Weights ★ Pen ★ Mugs ★ T-Shirts ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

श्रावण माह और खाने पर खेल

श्रावण का महिना सृष्टि के श्रृंगार और आध्यात्म की ओर बढ़ने का महिना माना जाता है। वैसे तो सृष्टि के श्रृंगार के अनेकों आयाम ढूंढे जा सकते हैं। किन्तु आध्यात्म का पर्याय श्रावण मास अपने आप में अलग है। श्रावण माह के दौरान देशभर में खाने को लेकर अनेक प्रकार के घटनाक्रम सामने आते रहे हैं। इस महीने में इस साल फिर नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद सामने आया है। बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में बीते दिनों खाने में नॉन-वेज भी परोसा गया, जिसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंच गई हैं। इसी तरह, यूपी में ढाबों-भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में उठा। यहां भी मूल में भोजन ही है। ऐसा क्या है कि श्रावण मास में इस प्रकार के कृत्य से बचा नहीं जा सकता है। अगर कोई इसे व्यक्तिगत मामला कहे तो यह व्यक्तिगत कैसे हो सकता है। खुले में बिकने वाला पदार्थ व्यक्तिगत ना होकर सार्वजनिक होता है। कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत हो सकता है। लेकिन क्या खाया और क्या पहना जा रहा है। इससे किसी कि सामाजिक मर्यादा भंग नहीं होनी चाहिए।

खाने-पीने की पसंद किसी व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का हिस्सा होती है। भारत में जैसी विविधता है, वैसे ही यहां के खाने में भी है। इसलिए किसी को क्या खाना चाहिए, इसकी पुलिसिंग नहीं की जानी चाहिए। यहां तक यह तर्क सही हो सकता है। लेकिन अगर खाने-पीने की वस्तु खुले में नहीं बेचे जाने वाली हो और उसका उल्लंघन करके सार्वजनिक तौर पर तैयार करने बिक्री किया जाए तो यह कतई बर्दाश्त नहीं होना चाहिए।

हालांकि इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। यह बात मुखर है कि श्रावण का महिना आध्यात्म और धार्मिक आस्थाओं से ओतप्रोत होता है। किन्तु देखा जाए तो कुछ के व्यक्तिगत हित को सिद्ध करने के लिए मूल में राजनीति होती है। बिहार में दो साल पहले सावन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना मुद्दा बन गया था। ऐसा क्या है जो इन नेताओं को श्रावण माह में ही यह सब करने की जरूरत महसूस होती है। क्या इससे बचा नहीं जा सकता है। बिल्कुल बचा जा सकता है, किन्तु केन्द्र में राजनीति जो छिपी है। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ। जब सफाई देने की बारी आई तो कहा गया कि यह तो वेज थी। क्या यहां बिरयानी के अलावा अन्य पदार्थ का सेवन नहीं किया जा सकता है। किन्तु केन्द्र में राजनीति थी। जयपुर में हवामहल विधायक बालमुकुन्द आचार्य ने भी श्रावण माह में नोनवेज की दुकानों को बंद रखने और खुले में नोनवेज बेचने की मनाही की बात पर भी हंगाम किया गया। आस्था और भोजन का साथ आदिकाल से है। लेकिन इस पर भी कुछ व्यवस्थाओं को समस्या होती ही है। दोनों ही निजी मामले हैं और दोनों में ही किसी को दखल देने का हक नहीं। हां, यह जरूर है कि जब बात किसी खास आयोजन या धार्मिक अवसर पर किसी समुदाय की भावनाओं से जुड़ी हो, तो वहां सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन की जरूरत पड़ती है। ऐसा ही करना अनिवार्य है। असल में, भोजन केवल भूख से नहीं, व्यक्ति की गरिमा से भी जुड़ा है। सम्मान के साथ कमाने और खाने का हक इस देश के सभी नागरिकों को है। यह भी देखना चाहिए कि खाने का इस्तेमाल राजनीति की बिसात पर न हो।

भारत की विदेश नीति एक गतिशील और विकासशील क्षेत्र हैए जो 21वीं सदी की बदलती वास्तविकताओं के अनुकूल है। अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को अपनी बढ़ती वैश्विक जिम्मेदारियों के साथ संतुलित करने की इसकी क्षमता विश्व मंच पर इसकी भूमिका को आकार देने में महत्वपूर्ण होगी।

भारत की विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आकांक्षा शर्मा
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

भारत की विदेश नीति का विकास एक अग्रणी वैश्विक शक्ति बनने की इसकी महत्वाकांक्षा को दर्शाता हैए लेकिन बहुपक्षवादए संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान और अधिक न्यायसंगत अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुशल कूटनीतिए रणनीतिक साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की बदलती गतिशीलता के अनुकूल होने की इच्छा की आवश्यकता होगी।

भारत की विदेश नीतिए एक बहुआयामी और विकसित क्षेत्र है, जो ऐतिहासिक विरासतोंए, भू.राजनीतिक अनिवार्यताओंए, आर्थिक आकांक्षाओं और मानक सिद्धांतों के जटिल अंतर्संबंध द्वारा गढ़ी गई है। दशकों की अप्राप्त क्षमता के बादए भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में एक स्विंग राज्य के रूप में उभर रहा है। राष्ट्र की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के युग से अधिक सक्रिय बहु. संरेखण रणनीति में परिवर्तित हो गई है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसी प्रमुख शक्तियों के साथ-साथ जापान, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया जैसी अन्य वैश्विक मध्यम शक्तियों के साथ जुड़ रही है। यह परिवर्तन भारत की अपनी आर्थिक वृद्धि और रणनीतिक वजन के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में अधिक प्रमुख भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। हालाँकि, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं के प्रतिरोध सहित खुली व्यापार नीतियों को पूरी तरह अपनाने में भारत की अनिच्छा, अधिक वैश्विक प्रभाव की इसकी खोज में एक विरोधाभास प्रस्तुत करती है। व्यापार उदारीकरण के प्रति यह सतर्क दृष्टिकोण घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और आर्थिक लाभों के समान वितरण को सुनिश्चित करने की चिंताओं से उपजा हो सकता है।

भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू गुटनिरपेक्षता के प्रति इसकी ऐतिहासिक प्रतिबद्धता हैए एक सिद्धांत जो इसकी रणनीतिक सोच में गूंजता रहता है। भारत के पहले प्रधान मंत्री और इसकी विदेश नीति के निर्माता जवाहरलाल नेहरू की विरासत का अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रति देश के दृष्टिकोण पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। नेहरू ने भारत को विकासशील दुनिया के लिए एक अग्रणी आवाज़ के रूप में देखाए जो अधिक न्यायसंगत और समान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता है। भारत की विदेश नीति निर्णय लेने की प्रक्रिया घरेलू राजनीति, नौकरशाही संरचनाओं और रणनीतिक संस्कृति सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। विदेश मंत्रालय विदेश नीति तैयार करने और उसे लागू करने में केंद्रीय भूमिका निभाता हैए जबकि रक्षा मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय जैसी अन्य सरकारी एजेंसियाँ भी इस प्रक्रिया में योगदान देती हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय भी काफी प्रभाव डालता हैए खासकर विदेश नीति की समग्र दिशा को आकार देने और अंतर्विभागीय सहयोग के समन्वय में।

अपने निकटतम पड़ोसियों के साथ भारत के संबंध इसकी विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। भारत ने पड़ोसी पहले नीति अपनाई है, जिसमें बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव जैसे दक्षिण एशिया के देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों को प्राथमिकता दी गई है। हालाँकिए अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रबंधित करना अपनी चुनौतियों के बिना नहीं रहा है। उदाहरण के लिएए भारत-चीन प्रतिद्वंद्विता ने मालदीव को आर्थिक अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसने देश की विदेश नीति को भी बाधित किया है। सीमा विवादए जल-बंटवारे के मुद्दे और सीमा पार आतंकवाद ने अक्सर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया हैए जिससे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ सामने आई हैं। भारत की अपने पड़ोस को प्रबंधित करने की क्षमता यह निर्धारित करेगी कि वह एशिया की प्रमुख शक्तियों में से एक बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है या नहीं। कनेक्टिविटी बढ़ाने पर केंद्रित उप.क्षेत्रीय पहल भी भारत के लिए विदेश नीति की प्राथमिकता का एक प्रमुख क्षेत्र है।

भारत की समुद्री कूटनीति, जिसमें भारतीय नौसेना एक प्रमुख खिलाड़ी हैए भारत के सुरक्षा और व्यापार हितों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से हिंद महासागर मेंए जिसे भारत अपनी विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ सहकारी संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में देखता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का सुझाव है कि हिंद महासागर के बारे में भारत की रणनीतिक सोच में इस बात की स्पष्ट अवधारणा का अभाव है कि इस क्षेत्र में अग्रणी शक्ति बनने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को कैसे प्राप्त किया जाए। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भागीदारी चीन के साथ उसकी रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से आकार लेती है, जो अपनी मोतियों की माला रणनीति के माध्यम से इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती समुद्री शक्ति भारत के भू-रणनीतिक लाभ को चुनौती दे सकती है, जिसके लिए भारत को अपने भौगोलिक लाभों का लाभ उठाने के लिए अपनी समुद्री रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता होगी। इन खतरों से निपटने के लिए भारत का सक्रिय दृष्टिकोण और क्षेत्रीय समुद्री भागीदारों के साथ सहयोग आवश्यक है।

भारत की विदेश नीति तेजी से अपने आर्थिक हितों से आकार ले रही है, क्योंकि देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक एकीकृत होना चाहता है और विदेशी निवेश आकर्षित करना चाहता है। जैसे-जैसे चीन का आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव बढ़ रहा है, भारत सक्रिय रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान जैसी अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करके चीनी शक्ति को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। भारत की आर्थिक वृद्धि की खोज ने एक अधिक व्यावहारिक और परिणाम.उन्मुख विदेश नीति को जन्म दिया है। तेजी से तकनीकी प्रगति की विशेषता वाली दुनिया मेंए भारत की विदेश नीति को साइबर सुरक्षाए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जलवायु परिवर्तन जैसी उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए अनुकूल होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्रए विश्व व्यापार संगठन और जी 20 जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी वैश्विक शासन के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे को आकार देने की इसकी इच्छा को दर्शाती है।

जो कोई नहीं चाहता, वह क्यों हो रहा है?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

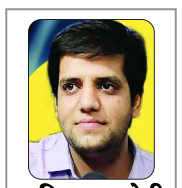

अगर हम अपने आसपास की दुनिया को ध्यान से देखें, तो यह आसानी से समझ में आता है कि हम में से ज्यादातर लोग अपने जीवन में सुकून, शांति और खुशहाल माहौल की चाह ही रखते हैं। चाहे यह बात खुद से जुड़ी हो, पारिवारिक बातचीत हो या सामूहिक चर्चा–लोग अक्सर कहते हैं कि वे सभी के सुख और संतोष की कामना ही करते हैं। माता-पिता या बड़े भी जब आशीर्वाद देते हैं, तो कहते हैं, "सदा सुखी रहो, खुश रहो, स्वस्थ रहो और सुकून से जियो।"

इतनी पवित्र और सकारात्मक भावना के बावजूद, अगर हम समाज की वर्तमान स्थिति देखें, तो दिखाई देता है कि तनाव बड़ी तेजी से बढ़ रहा है, मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं आम हो गई हैं, और लोग छोटी-छोटी बातों में टूटने लगे हैं। संबंधों में दूरी, संवाद में कटुता और आपसी विश्वास की कमी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन तक कह रहा है कि आने वाले समय में अकेलापन सबसे बड़ी समस्या बनेगा।

कई बार हम यह सोचते हैं कि हम तो सभी का भला चाहते हैं, लेकिन वो लोग (2-3 लोग जिनसे हमारा मनमुटाव हैं) के बारे में सोचते हैं कि हम अच्छा चाहते हैं वो नहीं। हम अपने मन की इस भ्रम को करोड़ों लोगों पर लागू कर देते हैं और मान लेते हैं कि गलती दूसरों की ही है। वहीं, हो सकता है कि कोई और भी हमारे बारे में यही सोच रहा हो। पर इस पर हमारा कोई ध्यान नहीं होता। तो समझने की बात यह हैं की, जब सभी इतनी अच्छी भावना रखते हैं, फिर दुनिया अधिक दुखी, तनावपूर्ण और जटिल क्यों होती जा रही है? इस विरोधाभास का उत्तर छिपा है – हमारे "चाहने" और "जीने" के बीच के फर्क में।

अक्सर व्यक्ति जो चाहता है, वह उसी रूप में खुद भी नहीं जी रहा होता। उसे लगता है कि उसकी एक छोटी-सी लापरवाही या गलत भावनात्मक प्रतिक्रिया से क्या फर्क पड़ेगा और ऐसी ही सोच हर गुस्से वाले, आलसी या लापरवाह व्यक्ति की भी होती है और उसे लग रहा होता हैं मेरी इतनी सी लापरवाही से या आलस से क्या ही फर्क पड़ जाएगा।

उदाहरण के लिए, एक विद्यार्थी चाहता है कि उसका दिन उत्पादक हो, वह पढ़ाई करे, लेकिन सुबह उठने का फैसला लेते समय वह आलस में सोता रहता है। दिनभर ऐसे कई छोटे फैसले उसे उस दिशा से दूर ले जाते हैं, जिसकी वह सच में चाह रखता है। शाम को वही व्यक्ति सोचता है–मेरा दिन तो खराब हो गया।

अब यहाँ एक बहुत ज़रूरी बात समझ में आती है- जब एक व्यक्ति ऐसी जिंदगी जी रहा होता है जिसमें उसकी चाह और उसका जीना अलग-अलग हो – यानी वह चाहता कुछ है और जी रहा कुछ और है – और जब वैसी ही जिंदगी करोड़ों लोग जी रहे होते हैं, तो वे मिलकर एक ऐसी दुनिया बना देते हैं जहाँ कोई भी गलत नहीं करना चाहता, लेकिन लगभग सभी किसी न किसी रूप में कुछ गलत कर रहे होते हैं।

इससे यह साफ होता है कि हमारी मूल इच्छाएं बहुत सुंदर होती हैं–हम सहयोग, स्नेह, एकता और सार्थकता चाहते हैं। लेकिन हमारी आदतें और प्रतिक्रियाएं इनसे मेल नहीं खातीं। यही असमानता धीरे-धीरे एक ऐसी दुनिया बनाती है जहाँ सभी अच्छाई चाहते हैं, लेकिन दुनिया नकारात्मक बनती जाती हैं, और कोई अपना नकारात्मक योगदान उसमें देख नहीं पाता। इसलिए ज़रूरत है कि हम भीतर झाँकें और समझें कि हमारी सच्ची चाह क्या है। उस चाह के अनुरूप जीवन के हर पल को जीने का प्रयास करें। जो हमें कुछ समय के लिए सही लगता है, वह हमेशा सच में सही नहीं होता। "सही लगने" और "वास्तव में सही होने" के बीच के अंतर को समझना और उस पर चिंतन करना ही एक संतुलित और समृद्ध जीवन की ओर पहला कदम हो सकता है।

आइए, मिलकर ऐसी दुनिया बनाएं जहाँ लोग अपनी सच्ची चाह के अनुरूप जिएं–एक ऐसी दुनिया जो सहयोग, सुकून और खुशहाली से भरी हो।

आखर-आखर झरे उझियार

किसान की विशेष समझ को देख जब अभिभूत हो गए विनोबा भावे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

परमात्मा सृष्टि के कण कण में और काल प्रवाह के क्षण क्षण में समाया हुआ है। वो सदा, सर्वदा सर्वत्र व्याप्त है। यह आध्यात्मिक विचार भारतीय जनजीवन के प्राणों में घुलमिल गया है। यहां के वायु मण्डल में ही ऐसा चिन्तन जैसे रच बस गया है।

बात उनदिनों की है, जब विनोबा भावे का भूदान यज्ञ परवान चढ़ा हुआ था। वो अपनी पद यात्रा के दौरान बिहार प्रांत के एक गांव में घूम रहे थे।ग्रीष्मकाल की तपन में वो एक खेत के निकट विशाल वट वृक्ष के नीचे रुक गए। नज़दीक खेत में गेहूँ की अच्छी फसल लहरा रही थी। पेड़ के पक्षी ताज़ा बालियों को चुग रहे थे। यात्रा दल में साथ चल रहे एक व्यक्ति ने कहा, इस खेत का स्वामी आलसी दिखता है, जिसे कोई परवाह नहीं कि पक्षी खेत की फसल को चट कर रहें हैं और वो इन्हें उड़ाने का जतन भी नहीं कर रहा।

तभी अचानक खेत मालिक सब के लिए सत्तू और शीतल जल लेकर आ गया। आचार्य विनोबा भावे ने कहा, हम काफ़ी देर से देख रहें हैं कि पक्षी आपकी फ़सल को हानि पहुंचा रहे हैं और आप इन्हें उड़ाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हो ? ऐसा क्यों ?

किसान ने हाथ जोड़ते हुए कहा,पक्षियों और खेत की इस फ़सल, दोनों का मालिक ईश्वर है। पक्षी अपना हिस्सा ले रहे हैं, मुझे भी अपना हिस्सा नसीब हो जाएगा। पक्षी खेत से दाना नहीं पायेंगे तो जिएंगे कैसे ? वो कहाँ जाएंगे ? उनका तो कोई निजी खेत या फ़सल भी नहीं है,जिससे उनका गुजारा हो सके।

विनोबा भावे उस किसान की करुणामय सोच को देख चकित हो गए। एक संतुष्ट किसान के अध्यात्म प्रेरित विचार को सुन कर संत विनोबा अभिभूत हो गए। उन्होंने लोक प्रचलित कहावत दोहराते हुए कहा, राम जी की चिड़िया, राम जी का खेत.. खा री चिड़िया भर भर पेट।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

जैसे आग की लपट और दीपक की लौ क्षण-क्षण में उत्पन्न और नष्ट होती रहती हैं उनका यह क्रम निरंतर चलता ही रहता है, परंतु दिखाई नहीं पड़ता। वैसे ही वेगवान काल द्वारा प्राणियों के शरीर की उत्पत्ति और विनाश होता रहता है, किंतु अज्ञानवश दिखाई नहीं पड़ता।

7. सूर्य- जैसे वे अपनी किरणों से पृथ्वी का जल खींचते और समय पर उसे बरसा देते हैं, वैसे ही योगी पुरुष इन्द्रियों द्वारा समय पर विषयों को ग्रहण करते हैं और समय आने पर उनका त्याग भी (दान) कर देते हैं। जैसे सूर्य विभिन्न जल पात्रों में प्रतिबिम्बित होकर भिन्न-भिन्न दिखाई पड़ता है, किन्तु सूर्य अनेक नहीं हो जाता वैसे ही आत्मा भी एक होते हुए भी प्रत्येक व्यक्ति में अलग-अलग दिखाई देती है। असल में आत्मा सूरज की तरह एक है।

8. कबूतर- जैसे कबूतर अत्यंत स्नेह और आसक्ति के कारण बहेलिये के फंदे में पड़कर अपनी जीवन गंवा देता है, वैसे ही संसारी जीव गृहस्थी (स्त्री संतान आदि) के मोह म्मता में पड़कर अपने कुटुम्ब के भरण-पोषण में ही सारी सुध-बुध खोकर अपना अमूल्य जीवन व्यर्थ ही नष्ट कर देते हैं।

9. अजगर- जैसे अजगर कभी भोजन की चेष्टा नहीं करता। **क्रमशः**

ओपिनियन : इलेक्ट्रिक वाहनों का उदय

नई कारों ने ऑटो सेक्टर की चुनौतियों को किया उजागर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

विदेशी स्वामित्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां भारत में सहजता से विस्तार कर रही हैं। वियतनाम की कार निर्माता कंपनी विनफास्ट ने अपने वीएफ6 और वीएफ7 मॉडल्स के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। खबरों के मुताबिक उसने भारत के 27 शहरों में शोरूम खोलने के लिए डीलर्स के साथ समझौते किए हैं। ईलॉन मस्क की टेस्ला भी भारत में आ चुकी है और वह भी मुंबई स्थित शोरूम से अपने मॉडल वाई के लिए ऑर्डर ले रही है। दोनों कंपनियां अलग-अलग रणनीति अपनाती नजर आ रही हैं। टेस्ला ने स्थानीय फैक्टरी में निवेश का निर्णय नहीं लिया है इसकी वजह से उसे आयातित मॉडल वाई पर शुल्क चुकाना पड़ रहा है और भारत में कार की कीमत अमेरिका की तुलना में करीब 77 फीसदी अधिक है। वहीं विनफास्ट अपनी कार की बुकिंग केवल 21,000 रुपये में कर रही है। उसने अभी कार की कीमत का खुलासा नहीं किया है। परंतु उसने दावा किया है कि वह अगले पांच साल में तमिलनाडु के तूतुक्कुडि संयंत्र में करीब दो अरब डॉलर की राशि व्यय करेगी। उसने इस बात पर भी जोर दिया है कि वह अपने संयंत्र का इस्तेमाल न केवल घरेलू मांग पूरी करने में करेगी बल्कि आसपास के निर्यात बाजारों का भी ध्यान रख सकेगी। ऐसे में उसे शुल्क में छूट की सरकारी योजना का लाभ भी मिलेगा।

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में हो रही वृद्धि भारतीय वाहन उद्योग और सरकार दोनों के लिए चुनौतियां भी ला रही है। इंपीरियल कॉलेज लंदन और ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय के सस्टेनेबल फाइनैंस ग्रुप के अर्थशास्त्री एक अध्ययन में कहते हैं कि भारत के मौजूदा वाहन निर्माताओं पर इसका अलग-अलग असर होगा। टाटा मोटर्स जैसी कुछ कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहन बनाने से फायदा होगा तो वहीं अन्य, मसलन मारुति आदि को नुकसान हो सकता है। परंतु व्यापक समस्या इस तथ्य में निहित है कि इलेक्ट्रिक वाहन बुनियादी तौर पर इंटर्नल कंबस्चन इंजन (आईसीई) आधारित यानी पेट्रोल-डीजल कारों से अलग होते हैं। आईसीई कारों की उत्पादन प्रक्रिया कहीं अधिक विस्तृत है जहां मूल्य और लाभ दोनों आपूर्ति श्रृंखला के अलग-अलग स्तरों पर अर्जित किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मूल्य संवर्धन अधिक केंद्रित है। उदाहरण के लिए बैटरियों के उत्पादन में। इसका भारत के वाहन कलपुर्जा क्षेत्र पर काफी प्रभाव पड़ सकता है। सरकार के लिए एक साथ कई और कभी-कभी विरोधाभासी आवेग हैं। पहला भाव निस्संदेह संरक्षणवाद का है जिससे निजात पानी चाहिए। दूसरा, एक स्वाभाविक आवश्यकता देश में कम कार्बन उत्सर्जन वाले वाहनों की जरूरत का है ताकि स्थानीय प्रदूषण और राष्ट्रीय स्तर पर उत्सर्जन में कमी की जा सके। इसी वजह से सरकार न केवल ईवी खरीदने वालों को प्रोत्साहन दे रही है बल्कि उसने विदेशी ईवी आयात पर भारी शुल्क लगाया है। तार्किक रूप से तो उसे भारत-आधारित इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन में निवेश का स्वागत करना चाहिए। लेकिन उसने उभरती हुई इलेक्ट्रिक वाहन महाशक्ति, चीन से निवेश को न्यूनतम रखने का भी विकल्प चुना है। शीर्ष ईवी निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में विनिर्माण में 1 अरब डॉलर का निवेश करने का निश्चय किया था लेकिन जानकारी के मुताबिक सरकार ने इसकी इजाजत नहीं दी।

ईवी नीति को लेकर अधिक एकीकृत रुख की आवश्यकता होगी क्योंकि भारत के भीतर बाजार बदल रहा है। अन्य चीजों के अलावा चार्जिंग अधोसंरचना उपलब्धता और स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बड़े पैमाने पर अपनाने से इलेक्ट्रिक ग्रिड पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी सवाल पूछे जाएंगे। क्या सभी कंपनियों के लिए चार्जिंग आवश्यकताओं को मानकीकृत किया जाना चाहिए, यह भी एक पेचीदा सवाल है जिस पर दुनिया भर के नियामक जूझ रहे हैं। यात्री वाहनों का एक बड़ा उपभोक्ता और संभावित रूप से एक प्रमुख उत्पादक होने के नाते, भारत अपरिहार्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएगा। हालांकि, इस परिवर्तन से जुड़ी गति, दक्षता, उपयोगिता और स्थानीय मूल्य, सरकार द्वारा अभी लिए गए निर्णयों पर निर्भर करेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

सत्ताक्षी सिंह राव डॉटर टीना राव, पाली

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

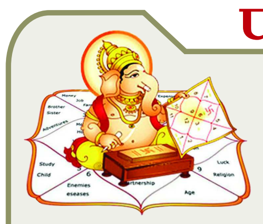

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 30/07/2025

सूर्योदय : 05:54 **सूर्यास्त :** 19:12 **चन्द्रोदय :** 10:49 **चन्द्रास्त :** 22:35 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** श्रावण **पूर्णिमांत :** श्रावण **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** कन्या **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** षष्ठी, 26:42 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : हस्त, 21:49 तक
योग : सिद्ध, 27:32 तक
प्रथम करण : कौवाला, 13:43 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 26:42 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:18 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:39 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:43 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:13 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:13 पी एम से
अमृत काल	03:16 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:7 ए एम, जुलाई 31 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:41 ए एम से
रवि योग	05:41 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:53 - 07:33	उद्वेग : 19:11 - 20:31
अमृत	: 07:33 - 09:12	शुभ : 20:31 - 21:51
काल काल वेला	: 09:12 - 10:52	अमृत : 21:51 - 23:12
शुभ	: 10:52 - 12:32	चर : 23:12 - 00:32
रोग वार वेला	: 12:32 - 14:12	रोग : 00:32 - 01:52
उद्वेग	: 14:12 - 15:51	काल : 01:52 - 03:13
चर	: 15:51 - 17:31	लाभ : 03:13 - 04:33
लाभ	: 17:31 - 19:11	उद्वेग : 04:33 - 05:53

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण, शुक्ल, षष्ठी, 2082 बुधवार, 30 जुलाई - 05 अगस्त, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
अन्य लोगो के सहयोग की आवश्यकता अधिक पड़ेगी इसलिए व्यर्थ की बयान बाजी से बचें। धन लाभ के लिये प्रयास में कमी नही करेंगे फिर भी आशानुकूल नही हो पायेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
आप इसको लेकर ज्यादा भाग दौड़ के पक्ष में भी नही रहेंगे। नौकरी पेशा लोग अधिक कार्य भार के कारण परेशान होंगे। व्यवसायी वर्ग किसी महत्तवपूर्ण कार्य को लेकर संतोष में रहेंगे।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
अन्य व्यवसायी को मिलने वाला अनुबंध आपको मिल सकता है। माता पिता से स्नेह संबंध रहेंगे। पति पत्नी के बीच अहम को लेकर खींचतान होगी संताने भी पिता का पक्ष लेंगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
लेखन अथवा अध्यापन से जुड़े लोग कई दिन की मेहनत का फल कम मिलने से उदास होंगे। आकस्मिक यात्रा के प्रसंग बनेंगे खर्च भी होगा लेकिन इसके बाद भी मन संतुष्ट ही रहेगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
जिसे अपना शत्रु मानेंगे वही किसी न किसी रूप में धन लाभ कराएगा। थोड़ी भागदौड़ करने पर धन लाभ भी होगा पैतृक संपत्ति को लेकर किसी से ना उलझे मान भंग हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
व्यवसायी वर्ग को धन लाभ तो होगा लेकिन हानि की भरपाई नही कर सकेंगे। घर मे महिला वर्ग आर्थिक उलझन सुलझाने में मदद कर सकती है। लेकिन चार बाते सुनाने के बाद ही। सेहत ठीक रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
नौकरी अथवा व्यवसायी वर्ग दोनो ही बुद्धि बल से आवश्यकता अनुसार धन की आमद कर लेंगे लेकिन तुरंत खर्च भी हो जाएगा छोटे भाई बहन से पैतृक मामलों या चुगली के कारण कहा सुनी हो सकती है।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
भाई बंधुओ का सुख भी अन्य दिनों की अपेक्षा ठीक रहेगा लेकिन मन मे स्वार्थ सिद्धि की भावना भी रहेगी। सरकारी कार्यो को आज टालने का प्रयास करें भागदौड़ एवं खर्च के बाद भी परिणाम निराश करेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
आध्यात्मिक कार्यो में लगाव रहेगा लेकिन उलझनों के कारण समय नही दे सकेंगे। जमीन संबंधित अथवा अन्य अचल संपत्ति के कार्यो से जुड़े लोगों को प्रयास करने पर अनुकूल परिणाम मिल सकते है।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
किसी के द्वारा वादा खिलाफी का आरोप भी लगाया जा सकता है सामर्थ्य अनुसार किसी याचक को कुछ न कुछ अवश्य देंगे। इस सप्ताह किसी बड़े धन का लेन देन नहीं करें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
शुभ समाचार मिलेगा। अटके कार्यो में अनुभवी का सहयोग मिलेगा। भाग दौड़ का फल किसी भी दिन असकमात मिलेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
सरकार संबंधित कार्य भाग दौड़ के बाद आश्चर्य जनक परिणाम देंगे। जोरजबरदस्ती ना करें लाभ की जगह हानि हो सकती है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए गंभीरता से हो समन्वित प्रयास-मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं उन्हें नशे की लत से दूर रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित और गंभीर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए सम्बंधित विभाग प्रभावी रणनीति के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा युवाओं में जागरूकता के लिए मशहूर हस्तियों के माध्यम से उन्हें प्रेरित किया जाए।

पंत शासन सचिवालय में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर तंत्र (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निजी एवं राजकीय महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा करवाई जाए तथा वहां ड्रग कंट्रोल सोसाइटी की स्थापना के लिए प्रयास किए जाएं। साथ ही, महाविद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और विक्रय पर सतत निगरानी रखते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण में लिप्त गुप्त प्रयोगशालाओं का पता लगाकर पूरे नेटवर्क को समाप्त किया जाए। उन्होंने जिलों में फॉरेंसिक लैब तंत्र को मजबूत करने के निर्देश भी दिए, जिससे मादक पदार्थों की रिपोर्ट समय पर न्यायालयों में प्रस्तुत की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि एच-1 श्रेणी की फार्मा ड्रग्स की बिक्री पर विशेष निगरानी रख अनियमितता करने वाले फार्मा दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

पंत ने मानस हेल्पलाइन-1933 के प्रचार-प्रसार को व्यापक स्तर पर किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि इस माध्यम से प्राप्त सूचनाओं की गंभीरता से जांच कर, सही सूचना देने वालों को पुरस्कृत कर अन्य लोगों को भी प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि कूरियर सेवा के माध्यम से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी पर भी निगरानी रखी जाए। आमजन को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से जागरूक करने के लिए उन्होंने धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर सावंत, सचिव वित्त (राजस्व) विभाग कुमार पाल गौतम, निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम. एन, विजय कुमार सिंह, उपमहानिदेशक(पश्चिमी क्षेत्र) एनसीबी मनीष कुमार, एनसीबी राजस्थान के जोनल निदेशक घनश्याम सोनी, चिकित्सा, पुलिस, उच्चशिक्षा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

सांगानेर रेलवे स्टेशन पर 108 करोड़ से झलकेगी विरासत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर में सुगम रेल सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए योजनाबद्ध तरीके से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सांगानेर स्टेशन की तस्वीर अब जल्द ही बदलने वाली है। रेलवे स्टेशन का पुर्नविकास होने पर उद्योगों के साथ यात्री सुविधाओं का भी विस्तार होने वाला है। सांगानेर क्षेत्र में मुख्यतः सांगानेरी ब्लाक प्रिंट के कपड़े का व्यापार होता है और यहाँ से देश-विदेश में सांगानेरी प्रिंट का कपड़ा भेजा जाता है। स्टेशन के पुनर्विकास से क्षेत्र के विख्यात सांगानेरी प्रिंट उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

108 करोड़ लागत से बदलेगी सूरत

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार महाप्रबन्धक अमिताभ के निर्देश पर सांगानेर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के टेंडर जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सांगानेर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 107.74 करोड़ रूपये की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का पुनर्विकास कार्य को स्वीकृत किया गया है। कार्य के तहत स्टेशन बिल्डिंग के निर्माण में स्थानीय कला, हैरिटेज और आधुनिकता का समावेश किया जाएंगा। पुनर्विकास कार्य में जयपुर-सवाई माधोपुर रेलमार्ग के दोहरीकरण के साथ यार्ड का विस्तार और संचालन सुविधाओं में विस्तार करने की योजना है।

4 प्लेटफार्म का निर्माण, 5 रेलवे ट्रैक

यार्ड का विस्तार और संचालन सुविधाओं में विस्तार के तहत जयपुर-सवाई माधोपुर रेल लाइन के दोहरीकरण कार्य के दौरान सांगानेर स्टेशन पर लाइनों की संख्या 3 से 5 की जाएगी व 4 प्लेटफार्म का निर्माण किया जाएगा। वाशेबल एप्रेन के साथ 4 स्टेबल लाइन की सुविधा, वाटरिंग सुविधा, ट्रेन टर्मिनल परीक्षण के लिए पूर्ण लम्बाई की शटिंग लाइन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

4 हजार वर्गमीटर में निर्माण

स्टेशन पर नई मुख्य प्रवेश बिल्डिंग (जी+1) को लगभग 4000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। सेकंड एंट्री गेट का 720 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण व पार्सल गोदाम का भी निर्माण होगा।

4 लिफ्ट और 6 एस्केलेटर लगेंगे

स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर सुगम आवागमन के लिए 4 लिफ्ट और 6 एस्केलेटर लगाया जाना प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त 6 मीटर चौड़ाई के नए फुट ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जाएगा। स्टेशन बिल्डिंग में अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, कवर्ड प्लेटफार्म, लिफ्ट व एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज, लाइटिंग इत्यादि का प्रयोजन रखा गया है।

मुख्यमंत्री ई-ग्राम परियोजना का ई- प्रभारियो ने लिया प्रशिक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय आमेर द्वारा मुख्यमंत्री ई ग्राम परियोजना का ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी डॉक्टर दीपेश कंवर ने ई ग्राम प्रभारी को प्रशिक्षण दिया। डॉ. कंवर ने बताया कि वर्ष 2008-09 की बजट भाषण के बिंदु संख्या 162 में "गांव- गांव तक राजकीय सुविधाओं की स्थिति और जनता के द्वारा उनके उपयोग को मॉनिटर करने के लिए ई ग्राम प्रणाली विकसित की गई, जिसके जरिये किसी भी समय ऑनलाइन सरकारी सेवाओं एवं सुविधाओं की स्थिति को जाना जा सकता है, का उल्लेख है। और उन्होंने बताया कि आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय राजस्थान जयपुर द्वारा माह जुलाई,2012 से निरन्तर सभी कार्य किये जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामनिवास कुमावत एवं संगणक सूरत कंवर आदि उपस्थित रहे

पितृ अमावस्या पर गौमाता को खिलाया गुड़

जयपुर @ जागरूक जनता। पितृ अमावस्या को श्री राम गौशाला झोटवाड़ा जयपुर में सर्व मंगल कामना के साथ गो सेवार्थ काशी नाथ दीक्षित,नगेन्द्र वशिष्ठ, मोहन लाल नामदेवजी, कैलाश शर्मा, नितिन नामदेव,के साथ गौदर्शन करके गौ माता को गुड़ खिला कर गौ आशीर्वाद प्राप्त किया। गौशाला में महन्थ श्री विष्णु दास जी नागा के दर्शन,सत्संग का लाभ मिला। श्री महन्त जी ने गौ माता के बारे में काफी जानकारी दी साथ मे गौ पुजन के लाभ के बारे में काफी बताया उन्होंने कहा कि गौ सेवा में सभी देवताओं की पुजा हो जाती है।

ज्योतिष विस्तार के लिए कुलदीप सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री वेदमरतम् संस्थानम् जयपुर फाउंडेशन द्वारा वैदिक ज्योतिषी एवं केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को सीईओ पं. दिलीप कुमार अवस्थी और अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष अनुसंधान केंद्र, जयपुर के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पवन शर्मा द्वारा एआरजी एसी ऑडिटोरियम, जयपुर में ज्योतिष के विकास एवं विस्तार में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पूर्व राज्य मंत्री श्री धीरज गुर्जर एवं श्री पवन गोदारा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्मानित किया गया। ज्योतिषाचार्य इंजीनियर कुलदीप ने कृष्णमूर्ति पद्धति के उपचंद्र संबंध सिद्धांत के माध्यम से कुंडली में जन्म समय सुधार कैसे करें और सही भविष्यवाणियां कैसे करें, इस पर व्याख्यान दिया।

40 साल पुराने जर्जर आयुर्वेदिक औषधालय में टपक रहा है पानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर उपखंड क्षेत्र लांखना पंचायत में स्थित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय आयुष्मान, आरोग्य मन्दिर आयुर्वेद औषधालय करीब 40 वर्षो से पुराने भवन में संचालित है। चिकित्साधिकारी डॉ. चंद्रशेखर जैन योग प्रशिक्षक किशन लाल शर्मा ने बताया की यह औषधालय आसपास के 25 गावों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है वर्तमान अस्पताल की इमारत बेहद खराब स्थिति है। जिसकी आज तक मरम्मत नहीं कराई गई। भवन के गिरने का खतरा बना हुआ है ये भवन इतना क्षतिग्रस्त हो गया है की छत की पट्टीयों से पानी टपकता है। भवन के अन्दर पानी भर जाता है. अधिकारीयों व कर्मचारीयों के बैठने तक की जगह नहीं है। पानी टपकने से पूरे भवन में सीलन आने से सभी औषधियां एवं रिकार्ड भी खराव हो रहा है।

भवन की ऐसी स्थित होने के कारण आने वाले मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आयुष एवं वेलनेस सेन्टर यहां संचालित है नियमित योगा अभ्यास भी करवाना मुश्किल है. छत से बजरी एवं सीमेंट के बडे बडे टुकडे गिरते रहते है जिससे बडा हादसा होने की भी संभावना हमेशा बनी रहती है।निरिक्षण करने आये सभी उच्च अधिकारियों को इस बारे में बताया जा चुका है। लेकिन कोई सुध नहीं ले रहा है। भवन की मरम्मत होना अति आवश्यक है ।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में बच्चों ने लगाया पौधा, लिया संरक्षण का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डिग्गी रोड़ स्थित ग्राम लांखना पंचायत के गांव श्रीरामपुरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीरामपुरा विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और पौधों की देखभाल की शपथ ली।

इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजुल गुप्ता ने विद्यार्थियों को निर्देश दिए कि वे अपने घर, खेत-खलिहान और आसपास के खाली स्थानों पर पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल करें छात्रों ने पूरे उत्साह से पौधे लगाए और यह संकल्प लिया कि वे इन पौधों की नियमित देखभाल करेंगे। उन्होंने कहा कि पौधे नहीं लगाओगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध पर्यावरण कहां से लाओगे। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के समय लोगों को शुद्ध वायु और ऑक्सीजन की महत्ता का वास्तविक अर्थ समझ में आया।

इस अभियान पौधारोपण में सीमा मीणा,रितू रचयिता,सुरेश चंद मीणा,दीपक शर्मा,विधा शर्मा, अनिता शर्मा, दीपक धाभाई, श्रद्धा रावत, रामदयाल (सरपंच लांखना प्रतिनिधि) अध्यापक मौजूद रहै।

गौमाता सेवक समिति परिवार की पहल

गोसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण अभियान का किया श्रीगणेश शुभारंभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गोमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने श्रावण मास कृष्ण पक्ष हरियाली अमावस्या पर्व पर 50 वां रजत जयंती गोसेवा महोत्सव एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान कार्यक्रम श्री गुरु गोबिंद गौधाम (गौशाला) जयसिंहपुरा भांकरोटा जयपुर में आयोजित किया गया शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् गणेश राधाकृष्ण पूजन, देवाधिदेव महादेव भगवान भोलेनाथ का अभिषेक पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन पितृ तर्पण पूजन, गोमाता पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं दिव्य गोमाता कृपा आरती के बाद श्री गौशाला के नियमित गौसेवकों नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया इसके बाद सभी गौसेवकों ने मिलकर गोमाता की पूजा एवं सेवा करके गुड़ केले व हरे चारे का भोग लगाकर गोशाला में पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ वृक्षारोपण कर किया, पेड़ों पर पंछियों के लिए पानी के परिंडे व दाना पात्र लगायें, कीड़ी नगरा, एवं अन्य सेवाएं प्रदान करने के साथ गोशाला में सभी भक्तों ने अपार हर्षोल्लास पूर्वक संकीर्तन किया साथ ही इस अवसर पर गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र एवं कमल प्रजापत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं को पर्यावरण संरक्षण अभियान के शुभारंभ पर हर साल दो वृक्ष लगाने गौमाता को राष्ट्रमाता देश को हिन्दू राष्ट्र एवं सनातन धर्म बोर्ड घोषित करवाने का अखण्ड संकल्प दिलाकर शासन प्रशासन सरकार से गौरक्षा गोचर ओरण भूमि बचाने की मांग की।

इस अवसर पर जगदीश मोदी ने सनातन धर्म संस्कृति पर व्याख्यान दिया साथ ही गौमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्री गुरु गोबिंद गौधाम में एक गाड़ी सुखा चारा, 501 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 51 पेड़ वृक्षारोपण, पंछीयो के लिए 21 दाना पात्र एवं परिण्डे, कीड़ी नगरा श्री गुरु गोबिंद गोधाम (गौशाला) के विकास के लिए 11 हजार रूपए का चैक सरपंच एवं अध्यक्ष राकेश मीणा रामजीवण चौधरी को प्रदान किया। समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया!

इस अवसर पर भंवर, रामचंद्र, विनोद, महेंद्र, रामलाल प्रजापत, महेश अग्रवाल, अर्जुन सोनी, किशन, मदन एवं समस्त जयसिंहपुरा भांकरोटा नगरवासी गणमान्य लोग उपस्थित थे साधुवाद जय गोमाता जय गोपाल!

बादशाह विटामिन B-12

हमारे शरीर के लिए हर विटामिन और सभी तरह के मिनरल्स अहम होते हैं, लेकिन इनमें भी कुछ ज्यादा ज़रूरी होते हैं। विटामिन बी-12 ऐसा ही बेहद खास विटामिन है जिसकी ज़रूरत गर्भ में पल रहे शिशु से लेकर बड़े होने तक जिंदगी के हर पड़ाव पर होती है। ब्रेन के विकास से लेकर नसों के सही तरीके से काम करने तक में इस विटामिन की भूमिका है। इसकी कमी से क्या-क्या परेशानियां हो सकती हैं? इसके बेहतरीन सोर्स कौन-से हैं? विटामिन सप्लीमेंट्स ज्यादा खा लेने से क्या परेशानी हो सकती है? देश के बेहतरीन एक्सपर्ट्स से बातकर जानकारी दे रहा है जागरूक जनता। नोट: किसी भी प्रकार का प्रयोग करने से पहले चिकित्सकीय सलाह अवश्य ले लें।

वैसे तो कार्बोहाइड्रेट्स (रोटी, चावल आदि), प्रोटीन (पनीर, चिकन, एग आदि) और फैट (घी, बटर आदि) की तुलना में शरीर को विटामिन की जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है, लेकिन इसकी कमी से कई बड़ी परेशानियां हो जाती हैं। इसलिए विटामिन के बारे में यह कह सकते हैं कि 'देखन में छोटे लगैं, घाव करें गंभीर'। हमें करीब 13 तरह के विटामिन की जरूरत होती है। इनमें विटामिन B-कॉम्प्लेक्स का नाम खास है। विटामिन B-12 जिसे सायनोकोबालामिन/ मिथाइलकोबालामिन (Cyanocobalamin/ Methylcobalamin) भी कहते है, यह विटामिन B-कॉम्प्लेक्स सीरीज़ का आखिरी विटामिन है, लेकिन सेहत के लिए अहम कड़ी। विटामिन B-कॉम्प्लेक्स 8 तरह के होते हैं: 1. B1, 2.B2, 3.B3, 4.B5, 5. B6, 6.B7, 7.B9 **और विटामिन-B12**।

पानी में घुलने के आधार पर विटामिन की होती हैं 2 अलग-अलग कैटिगरी:

1. पानी में घुलनशील

विटामिन-B और विटामिन-C इस कैटिगरी में आते हैं। इन विटामिन को शरीर अमूमन स्टोर नही कर पाता। इसलिए हर दिन की डाइट में शामिल करना चाहिए। आलू, भिंडी, परवल, घीया आदि को काटकर धोने या ज्यादा फ्राई करने से इसलिए मना किया जाता है क्योंकि इनमें मौजूद विटामिन-B कॉम्प्लेक्स (सिर्फ विटामिन B-12 को छोड़कर) और विटामिन C पानी में घुलकर या ज्यादा फ्राई करने से भी खत्म हो जाते हैं। इसलिए ऐसी सब्जियों को धोने के बाद ही काटना चाहिए।

2. पानी में न घुलने वाले विटामिन

ये है विटामिन A, D, E और K जो पानी में नहीं घुलते। ये विटामिन अमूमन फैट में आसानी से घुल जाते हैं।

B-12 कम तो परेशानी

- विटामिन B-12 दूसरे विटामिनों की तरह नही है। इसका सोर्स हमारी डाइट ही है। इसलिए सही डाइट अहम है। खराब खानपान से कई तरह की परेशानियां पैदा होती हैं।
- यह हमारे शरीर की कोशिकाओं के जेनेटिक मटीरियल DNA और RNA के निर्माण मे मदद करता है। अगर इस विटामिन की कमी होती है तो कोशिकाएं सही से विभाजित नही हो पाती। इससे शरीर में RBC (रेड ब्लड सेल्स) यानी खून की कमी होने लगती है। इस स्थिति को मेगालोब्लास्टिक एनीमिया (megaloblastic anemia) कहते हैं। इसमें RBC की संख्या कम हो जाती है, लेकिन अविकसित RBC का आकार बड़ा हो जाता है। ऐसे में खून अपना काम नही कर पाता।
- इस एनीमिया में ब्लड सही तरीके से ऑक्सीजन को दूसरे अंगों तक नही पहुंचा पाता। इससे कई तरह की परेशानियां होती हैं। दूसरे अंग सही तरीके से काम नही कर पाते।
- यह विटामिन हमारे नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र यानी नसों) के लिए बेहद जरूरी है। यह ब्रेन के लिए भी अहम है और हमारी स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़ की हड्डी के साथ मौजूद नर्व सेल) के लिए भी। इसकी कमी से नर्व्स (तंत्रिका कोशिका) के ऊपर जरूरी myelin sheath (माइलिन शीथ) की परत कमजोर हो जाती है। इससे शरीर में संवेदना में कमी, सुन्नपन, झनझनाहट, कमजोरी, भ्रम, चक्कर, मांसपेशियों में दर्द जैसी समस्याएं हो जाती हैं।
- यह शरीर में एनर्जी पैदा करने के लिए भी अहम है। इसकी कमी से जल्दी थकान और कमजोरी आ जाती है।
- ऐसा देखा गया है कि विटामिन B-12 की कमी से डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) के लक्षण भी दिखने लगते हैं। यही नही, डिप्रेशन जैसे लक्षण भी उभर सकते हैं।
- बैलंस बिगड़ने की स्थिति बन सकती है। इससे चलने में परेशानी हो सकती है।
- कई लोगों में जब इस विटामिन की कमी होती है तो वे वॉशरूम में मुंह धोने के दौरान आंखें बंद करते ही अपना बैलंस खो देते है और गिर जाते है। इसे 'वॉशबेसिन अटैक' भी कहा जाता है।
- प्रेग्नेंसी में भ्रूण विकास में B-12 और फोलेट (यह विटामिन B-9 का ऐक्टिव रूप है जो हरी सब्जियों में मिलता है) दोनों जरूरी होते है ताकि न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स (नसों से जुड़ी बीमारी) न हों। सीधे कहें तो गर्भ में पल रहे बच्चे का ब्रेन विकसित होने में भी इस विटामिन की अहम भूमिका होती है।
- बालों, स्किन आदि की मरम्मत के लिए भी जरूरी है।

किसे कितना चाहिए हर दिन?

- सामान्य शख्स: 2.4-2.8mcg
- प्रेग्नेंट महिला: 2.6mcg
- फीड कराने वाली मां: 2.8mcg
- सप्लिमेंट में: 500mcg-1500mcg
- इंजेक्शन आमतौर पर: 1000mcg सप्ताह या महीना

नोट: सप्लिमेंट लेने की जरूरत तब पड़ती है जब किसी शख्स में इसकी बहुत ज्यादा कमी हो। इस कमी का पता ब्लड टेस्ट से चल जाता है। इसके लिए Vit. B-12 टेस्ट करा सकते है। वही, इंजेक्शन का फैसला डॉक्टर तब लेते हैं जब यह देखा जाता है कि सप्लिमेंट लेने के बाद भी B-12 का लेवल ठीक नही हो रहा है, बहुत कम है यानि उस शख्स का शरीर सप्लिमेंट के रूप मे मौजूद इस विटामिन को जज्ब नही कर रहा है।

एक्सपर्ट पैनल

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
एसो. प्रोफेसर
DSRRAU, जोधपुर

डॉ. दलजीत सिंह
VC एंड हेड न्यूरो सर्जरी, MAX स्मार्ट

परमीत कौर
चीफ डाइटिशन, AIIMS

डॉ. बिंदिया गुप्ता
Ob-Gyne, GTB हॉस्पिटल

डॉ. अंशुल वार्ष्णेय
सीनियर कंसल्टेंट, फिजिशन

नीलांजना सिंह
सीनियर डाइटिशन

ख़ास बातें... 6

1. एक सामान्य शख्स में विटामिन B-12 का सामान्य स्तर 200-900 पिकोग्राम प्रति मिलीलीटर (pg/ml) के बीच होना चाहिए।
2. एक सामान्य शख्स को हर दिन 2.4-2.8 माइक्रोग्राम (mcg) विटामिन B-12 चाहिए। इसलिए डाइट भी इसी के अनुसार हो।
3. कई बार B-12 को सप्लिमेंट के रूप में लेने पर भी शरीर में इसकी मात्रा नही बढ़ती, वजह शरीर द्वारा इसे जज्ब करने की क्षमता में कमी है।
4. जब किसी शख्स का शरीर B-12 को जज्ब नही कर पाता और इसका लेवल बहुत कम हो जाता है तो इंजेक्शन देना पड़ता है।
5. प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भ में पल रहे बच्चे के ब्रेन के विकास में विटामिन B-12 और B-9 की अहम भूमिका होती है।
6. नसों के सही तरीके से काम करने के लिए भी विटामिन B-12 और विटामिन B-9 की ज़रूरत होती है। ये दोनों ही अहम हैं।

इमरजेंसी के लिए लिवर में होता है स्टोर

विटामिन B-12 को छोड़कर हमारे शरीर में पानी में घुलने वाला कोई भी विटामिन स्टोर नही होता, चाहे वह विटामिन B-ग्रुप का हो या फिर विटामिन-C हो। इसी से पता चलता है कि यह विटामिन हमारे लिए कितना ज़रूरी है। कुदरत को यह पता है कि इसकी कमी से शरीर को बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए इसे लिवर में स्टोर करने की व्यवस्था की है। यह कई महीनों से लेकर कुछ बरसों तक लिवर में जमा रह सकता है। यह इमरजेंसी स्टोरेज की तरह है। जब शरीर को लंबे समय तक डाइट से B-12 नहीं मिलता तो इमरजेंसी की स्थिति यानी DNA, RNA आदि में जेनेटिक मटीरियल बनाने में, नर्वस सिस्टम के सुचारू रूप से काम करने के लिए लिवर में स्टोर हुए इस विटामिन का इस्तेमाल होता है। जब स्टोर किए गए विटामिन B-12 का उपयोग भी लगातार होता रहता है, लेकिन हम डाइट से इसकी पूर्ति नही करते तब इसकी कमी के लक्षण दिखने लगते हैं। लेकिन ये लक्षण दिखने में भी कई साल लग जाते हैं।

सप्लिमेंट और इंजेक्शन कब?

अगर बिना सप्लिमेंट के नॉर्मल स्तर रहे तो अलग से कुछ लेने की ज़रूरत नही यानि डाइट से लेते रहें।

सप्लिमेंट: जब डाइट से इस विटामिन की पूर्ति न हो पा रही हो, कमी के कुछ लक्षण उभर रहे हो और लेवल 100 pg/ml से कम होने लगे।

इंजेक्शन : जब B-12 का स्तर कम होते हुए 50 pg/ml से भी नीचे चला गया हो और बड़े लक्षण उभर रहे हो। कई डॉक्टर मरीज की स्थिति को देखते हुए इस स्तर से पहले भी सप्लिमेंट या इंजेक्शन के लिए कह सकते है। यहां ध्यान दें कि सप्लिमेंट और इंजेक्शन डॉक्टर की सलाह से ही लें।

B-12 कम होने की 8 वजहें

1. डाइट: कई लोग यह मानते है कि सीड्स, नट्स आदि खाने से इसकी पूर्ति हो जाती है, जबकि ऐसा नही है। ये चीजें दूसरे विटामिन और मिनरल्स का अच्छा सोर्स है पर इनमें B-12 न के बराबर होता है। वही, मौसमी हरी सब्जियों, फलों आदि में भी इसकी मौजूदगी न के बराबर होती है। सब्जियों और फलों मे फाइबर व दूसरे विटामिन अच्छी मात्रा में होते है। इन्हें खाने से हमारा डाइजेशन अच्छा होता है जो आखिरकार B-12 को सही तरीके से जज्ब होने में भूमिका निभाता है। इसलिए हमें यह देखना चाहिए कि क्या हम डाइट में इस विटामिन का सोर्स सही तरीके से ले रहे हैं।

2. शरीर का इसे जज्ब न कर पाना: कई लोगों की यह शिकायत रहती है कि कई महीनों से B-12 का सप्लिमेंट ले रहा हूं, लेकिन ब्लड रिपोर्ट में सुधार नही दिख रहा। डाइट से तो नहीं ही बढ़ रहा था, सप्लिमेंट भी फायदा नही दे रहा। इसकी वजह है हमारे शरीर द्वारा सही तरीके से पोषक तत्वों को जज्ब यानी अवशोषण न कर पाना। ऐसे मे सिर्फ B-12 की कमी ही नही दिखेगी, दूसरे पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं।

3. गलत खानपान: वैसे तो यह कई परेशानियों की जड़ है, लेकिन B-12 की कमी की बड़ी वजह है। आजकल हमारी डाइट में हेल्दी फ्रूट्स, सब्जियां आदि शामिल हो या न हों, जंक फूड, पैक्ड फूड जरूर शामिल हो जाता है। बर्गर, मोमो, नूडल्स, पिज्जा के बिना शायद ही कोई हफ्ता निकलता हो। इसी तरह प्रोसेस्ड या अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड हमारी पाचन शक्ति को सीधे कमजोर करते है। मसलन: मैदा, चीनी, रिफाइंड ऑयल आदि। जहां तक पैक्ड फूड की बात है तो चिप्स, नमकीन, बिस्कुट आदि सभी खा रहे है। इन्हें खाने से कुछ देर का स्वाद जरूर मिलता है, लेकिन असर आगे चलकर खराब सेहत के रूप में सामने आता है। पोषक तत्व जज्ब करने की क्षमता कम हो जाती है।

4. मोटापा कम करने वाली सर्जरी भी वजह: यह सच है कि बेरियाट्रिक सर्जरी यानी वजन कम करने वाली सर्जरी की वजह से भी B-12 का लेवल कम हो सकता है। हमारे शरीर में विटामिन B-12 के जज्ब होने के लिए एक खास तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है जो पेट की अंदरूनी परत का हिस्सा होता है, इसे इंट्रिन्सिक फैक्टर (IF) कहते है। इसी प्रोटीन से जुड़ने के बाद B-12 को शरीर जज्ब कर पाता है। अगर किसी बीमारी की वजह से या बेरियाट्रिक सर्जरी की वजह से पेट का वह हिस्सा या तो निकाल दिया जाए या फिर बाईपास कर दिया जाए तो B-12 का अवशोषण नहीं हो पाता या बहुत कम हो जाता है।

5. अल्कोहल और स्मोकिंग: इनसे दूर रहने में ही भलाई है। ऐसा देखा जाता है इन दोनों चीजों की लत की वजह से विटामिन B-12 का अवशोषण काफी धीमा हो जाता है। इसलिए सप्लिमेंट आदि लेने के बाद भी कई लोगों को ज्यादा फायदा नही होता। ऐसे में B-12 के इंजेक्शन लेना ही बढ़िया विकल्प रहता है। अल्कोहल की वजह से इंट्रिन्सिक फैक्टर (IF) पर असर पड़ता है। इससे विटामिन का अवशोषण कम हो जाता है। वही, स्मोकिंग की वजह से भी इसके अवशोषण पर सीधा असर पड़ता है।

6. गैस की दवाएं: आमतौर पर पेशंट को दवा के साथ या बाकी लोग पेट में गैस कम बने इसलिए एंटासिड दवा खाते है। इससे गैस कम तो हो जाती है, लेकिन नुकसान भी होता है। यह जानना चाहिए कि विटामिन B-12 समेत दूसरे फूड आइटम के पाचन के लिए पेट में सही मात्रा में एसिड बनना जरूरी है। जब कोई एंटासिड खाता है तो एसिड कम निकलता है। अगर इस दौरान B-12 का सप्लिमेंट या B-12 वाला खाना लिया है तो स्वाभाविक है कि शरीर को सही मात्रा में यह विटामिन नही मिल सकेगा। इसलिए यह जरूरी है कि एंटासिड लेने से कम से कम 2 घंटे पहले या फिर 2 घंटे बाद ही इसका सेवन करें।

इनके चीजों के साथ भी न लें: विटामिन-C सप्लिमेंट या संतरा, नीबू पानी आदि जूस के साथ। इससे भी यह विटामिन कम मात्रा में जज्ब होता है। इसके अलावा ऐंटिबायोटिक्स के साथ भी इसे लेने से बचना चाहिए।

7. लैक्टोज इंटॉलरेंस: लैक्टोज दूध में मिलने वाला ग्लूकोज (कार्बोहाइड्रेट) है। कुछ लोगों को लैक्टोज यानी दूध और दूध से बने उत्पाद, जैसे: दही, पनीर आदि को पचाने में परेशानी होती है क्योंकि ऐसे लोगों में लैक्टेज एंजाइम कम होता है या नही होता। लैक्टेज एंजाइम लैक्टोज को पचाने का काम करता है। किसी शख्स में लैक्टेज एंजाइम की कमी के कई लक्षण हो सकते हैं। जैसे- दूध या दूध से बने उत्पाद खाने के बाद उस शख्स के पेट में गैस बनने लगती है और पेट फूल जाता है, उसे लूज़ मोशंस या उलटी हो सकती है, पेट में मरोड़ हो सकती है आदि। इन परेशानियों की वजह से वह शख्स डेयरी प्रोडक्ट खाना बंद कर देता है। इसमें दही, छाछ सभी शामिल होते है। इस तरह डेयरी प्रोडक्ट से मिलने वाले B-12 का रास्ता बंद हो जाता है। वही, अगर कोई नॉनवेज भी न खाता हो तो B-12 की कमी होना स्वाभाविक है। ऐसे में उस शख्स को साल में एक बार अपना ब्लड टेस्ट कराकर देखना चाहिए और उसी अनुसार डॉक्टर की सलाह से सप्लिमेंट लेने चाहिए।

8. लाइफस्टाइल: अगर लाइफस्टाइल सही नही है यानी हम 6 से 8 घंटे की गहरी नींद नही लेंगे, फिजिकल ऐक्टिविटी नही करेंगे, स्ट्रेस में रहेंगे तो इसका असर भी हमारे पाचन और शरीर की जज्ब करने की क्षमता पर सीधा पड़ता है। इसलिए अच्छी नींद के लिए हर दिन 30 से 40 मिनट का ब्रिस्क वॉक और स्ट्रेंथ एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

ज्यादा B-12 से भी दिक्कतें

कई लोग ब्लड टेस्ट कराए बिना ही सप्लिमेंट शुरू कर देते हैं। यह गलत है। अगर किसी के खून में B-12 का स्तर सही है तो उसे सप्लिमेंट या इंजेक्शन लेने की जरूरत नही है। वह डाइट से इसे बैलंस करने की कोशिश कर सकता है। दरअसल, अतिरिक्त B-12 को या तो शरीर लिवर में स्टोर कर लेता है या फिर यूरिन के ज़रिए बाहर कर देता है। फिर भी यह मुमकिन है कि ज्यादा सप्लिमेंट लेने से इसका स्तर बढ़ जाए। ऐसे में कुछ लक्षण उभर सकते हैं, जैसे- लूज़ मोशंस हो सकते हैं, सिर दर्द की लगातार परेशानी या कोई एलर्जी हो सकती है।

विटामिन B-12 के बेहतरीन सोर्स

यहां दी गई टेबल से यह पता चल जाता है कि वेज की तुलना में नॉनवेज फूड आइटम्स में विटामिन B-12 ज्यादा आसानी से और ज्यादा मात्रा में मिलता है। फिर भी अगर कोई नॉनवेज नही खाता है तो उसके लिए दूध, दही, पनीर का विकल्प है। वैसे भी B-12 की हर दिन की जरूरत 2.4-2.8 माइक्रोग्राम ही है। ऐसे में इन तीनों को हर दिन या इनमें से एक या दो को हर दिन डाइट का हिस्सा बनाने पर वेजिटेरियन लोगों में भी कमी नही होनी चाहिए, लेकिन शर्त यह है कि उनका पाचन तंत्र सही हो। शरीर सही तरीके से पोषक तत्वों को जज्ब करता हो।

जहां तक नॉनवेज खाने वालों की बात है तो उनमें विटामिन B-12 की कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नही है। नॉनवेजिटेरियन में भी इसकी कमी हो जाती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पाचन तंत्र कमजोर होना है। अगर कोई चिकन, मछली, मटन न भी खाता हो, लेकिन एगेटेरियन यानी अंडा खाने वाला (अनफर्टिलाइज्ड एग: बिना निषेचन के अंडे जिनसे चूजा पैदा नही हो सकता यानी जिसे खाने से किसी की हत्या नही होती) हो तो भी उसका काम हर दिन सिर्फ 2 अंडे खाने से चल जाता है। वही, अगर वह बाकी नॉनवेज आइटम खाता हो तो इस विटामिन की कमी की गुंजाइश और भी घट जाती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि जब हम B-12 को सप्लिमेंट के फॉर्म में लेते है तो वह सायनोकोबालामिन होता है। इसकी वजह यह है कि यह सस्ता होता है। शरीर पहले इसे मिथाइलकोबालामिन में बदलता है और फिर इस्तेमाल करता है। वही, जब हम कुदरती रूप वाला (दूध, दही, नॉनवेज आदि) B-12 खाते हैं तो हमें सीधे मिथाइलोकोबालामिन मिल जाता है। शरीर को इसे बदलने की जरूरत नहीं होती।

सोर्स	मात्रा (mcg)/100 ग्राम में
वेज	
गाय का दूध	0.4-0.5
दही	0.4
पनीर	0.4-1.5
न्यूट्रिशनल यीस्ट	4-5,
यह यीस्ट फोर्टिफाइड होता है यानी इसमें बाहर से विटामिन B-12 जोड़ा जाता है। यह मार्केट में उपलब्ध है।	
नॉनवेज	
मटन	1.5-2.5
मटन लिवर	50- 60
चिकन लिवर	13-18
मछली	8.9
टूना मछली	9.4
चिकन	0.3-0.5
अंडा	1.1

न प्लांट और न कोई एनिमल, इसे बनाता है बैक्टीरिया!

Q इसे बनाने में बैक्टीरिया की क्या भूमिका है?

A इस विटामिन की एक बड़ी खासियत है कि इसे न तो पौधे बना सकते हैं, न कोई जानवर और न इंसान का शरीर। इसे बनाता है बैक्टीरिया। सीधे कहें तो इस विटामिन के लिए हम पूरी तरह बैक्टीरिया पर ही आश्रित है। इस तरह के बैक्टीरिया फर्मेंटेड (जैसे दूध से दही बनाने वाले बैक्टीरिया आदि) उत्पादों में ज्यादा मिलते है। कुछ बैक्टीरिया जो मिट्टी और पानी में पाए जाते हैं, वे कुछ मात्रा में B-12 का निर्माण करते हैं। दरअसल, B12 का बनना एक बहुत जटिल प्रक्रिया है जिसमें करीब 30 से ज्यादा एंजाइम काम करते हैं। एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि हमारे शरीर में भी इस तरह के बैक्टीरिया बड़ी आंत में मौजूद होते हैं। बड़ी आंत में अवशोषण बहुत कम होता है। शरीर में ज्यादातर पोषक तत्वों का अवशोषण छोटी आंत में होता है। इसलिए शरीर बड़ी आंत में बनाए गए इस विटामिन को जज्ब नही कर पाता और यह शरीर से बाहर चला जाता है।

Q वेजिटेरियन है तो इसकी कमी कैसे हो दूर?

A अगर कोई शख्स नॉनवेज नही खाना चाहता तो उसके लिए डेयरी प्रोडक्ट्स के विकल्प है। वही, वह सप्लिमेंट भी ले सकता है। अगर ज्यादा कमी होगी तो डॉक्टर की सलाह से वह इंजेक्शन भी ले सकता है। इन सबसे उसके शरीर में इस विटामिन की कमी पूरी हो जाएगी। इसलिए अगर नॉनवेज खाने की इच्छा न हो तो न खाएं। सिर्फ B-12 की कमी को दूर करने के लिए नॉन वेजिटेरियन बनने का कोई मतलब नही है।

Q नॉन वेजिटेरियन में भी कम क्यों हो जाता है?

A नॉनवेज में B-12 का सबसे अच्छा सोर्स लिवर और कुछ मात्रा में किडनी है। वही, ऐसे लोग कम ही होते हैं जो मटन, चिकन में सिर्फ लिवर और किडनी या गुर्दा ही खाते हैं। खाने में लिवर या गुर्दे की मात्रा बहुत कम होती है। दूसरी वजह यह भी मुमकिन है कि उनका पाचन तंत्र भी कमजोर हो सकता है। इससे इस विटामिन का पूरा अवशोषण नही हो पाता।

Q किन लोगों को नहीं लेने चाहिए सप्लिमेंट?

A अगर किसी को लिवर या किडनी की गंभीर बीमारी है तो इसके सप्लिमेंट बिना डॉक्टर की सलाह के हरगिज न लें। वही, कैंसर के कुछ मामलों में भी डॉक्टर की सलाह से ही इसे लेना चाहिए। दरअसल, इसकी वजह यह है कि लिवर में यह विटामिन स्टोर होता है। अगर लिवर की बीमारी है तो लिवर पर दबाव ज्यादा बढ़ेगा। कई बार अचानक ही B-12 का स्तर बढ़ सकता है।

जागरूक खबरें

राज्यपाल बागड़े आज से कोटड़ा प्रवास पर

उदयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े दो दिवसीय प्रवास पर बुधवार को कोटड़ा आएंगे। राज्यपाल की यात्रा के मद्देनजर जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिला कलक्टर ने बताया कि राज्यपाल बागड़े 30 जुलाई को अपराह्न 3.40 बजे हेलीकॉप्टर से कोटड़ा पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग द्वारा ग्राम पंचायत बिलवन पहुंच कर जनजाति समूहों से संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्यपाल महोदय का रात्रि विश्राम कोटड़ा में ही रहेगा। अगले दिन 31 जुलाई को बागड़े सुबह 8.50 बजे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय खेल मैदान में आयोजित केंद्र व राज्य सरकार के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे, साथ ही चिकित्सा शिविर का अवलोकन करेंगे। इसके पश्चात् राज्यपाल विवेकानंद मॉडल स्कूल के बालिका छात्रावास का निरीक्षण करेंगे। बागड़े सुबह 10.30 बजे सड़क मार्ग से प्रस्थान कर 12.15 बजे उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस आएंगे। दोपहर 2.15 बजे बागड़े मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे।

सीएसडब्ल्यूआरआई में केंद्रीय गौवंश अनुसन्धान संस्थान मेरठ की अजा उपयोजना में वैज्ञानिक पशुपालन प्रशिक्षण आयोजित

किसान करें अच्छे पशुधन का चयन-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में बीते दिनों केंद्रीय गौवंश अनुसन्धान संस्थान मेरठ उत्तरप्रदेश की अनुसूचित जाति उपयोजना मे टोंक जिले के 90 एसी जाति के किसानो को दो दिवसीय प्रशिक्षण "वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन" कार्यक्रम 24 से 25 जुलाई को अविकानगर के किसान हॉस्टल मे आयोजित किया गया। जिसमे मुख्य अथिति मेरठ संस्थान के निदेशक डॉ ए के मोहन्ति, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ अरुण कुमार तोमर एवं विशिष्ट अथिति डॉ सुरेश कुमार डबास विभाग अध्यक्ष गौवंश प्रजनन विभाग, डॉ संजीव वर्मा नोडल अधिकारी एसीएसपी उपयोजना मेरठ भाग लेकर प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अविकानगर के वैज्ञानिकों की टीम के साथ एसी जाति के किसानो के साथ चर्चा की।

अविकानगर संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने अपने सम्बोधन में किसानों को वर्तमान की आवश्यकता अनुसार एवं अपने उपलब्ध संसाधनों के आधार पर अपने लिए अच्छे पशुधन (भेड़, बकरी एवं गाय आदि) का चयन करने का सुझाव दिया। निदेशक डॉ तोमर ने कार्यक्रम मे कहा कि आप किसानो की मांग अनुसार अविकानगर संस्थान भेड़, बकरी एवं गाय आदि पालन करने के लिए भी वैज्ञानिक प्रशिक्षण आईसीएआर के विभिन्न संस्थान के माध्यम से कर रहा है इसलिए आपको इन कार्यक्रम के माध्यम से अपने पशुधन कौशल विकास मे बढ़ोतरी करते हुई आजीविका बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अथिति निदेशक मेरठ संस्थान डॉ ए के मोहन्ति द्वारा भी निदेशक अविकानगर के निवेदन पर निशुल्क गिर गाय का सेक्स सॉर्टेड सेमन टोंक जिले के किसानो को उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। साथ मे डॉ मोहन्ति ने बताया कि आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम के 10 प्रगतिशील अनुसूचित जाति किसानो को आने वाले दो साल के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना से दाना, सेमन, वैज्ञानिक सलाह एवं एनिमल बेडिंग शीट भी मेरठ संस्थान की ओर से उपलब्ध कराने के लिए किसानो को आश्वासन दिया।

कार्यक्रम का समन्वयक डॉ मेघा पांडे, डॉ राजेश बिश्नोई, डॉ संजीव वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे पंजीकृत 90 अनुसूचित जाति किसानो को पशुपालन उपयोगी सामानो (तिरपाल, गमबूत, तसला एवं दवाईया आदि) का भी वितरण कार्यक्रम के अथितियों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम मे वित्तीय मदद मेरठ संस्थान की एसीएसपी उपयोजना एवं आयोजक अविकानगर संस्थान द्वारा किया जा रहा है। दोनों संस्थान के निदेशक द्वारा टोंक जिले के किसान के लिए गिर गाय का फीमेल बछड़ी का सेमन, दाना एवं आवश्यक सहयोग भविष्य मे भी प्रगतिशील अनुसूचित जाति के किसान को देने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम मे अविकानगर संस्थान के डॉ आर एस भट्ट, डॉ गणेश जी सोनवणे, डॉ लीला राम गुर्जर, डॉ सत्यवीर सिंह डागी डॉ सी पी स्वर्णकार, डॉ अरविन्द, डॉ अमरसिंह मीना, डॉ रंगलाल मीना एवं तकनीकी कर्मचारियो के साथ वेटरनरी इंटर्नशिप भी उपस्थित रहे। दोनों दिन के कार्यक्रम मे किसानो के साथ विस्तार से संवाद मेरठ एवं अविकानगर वैज्ञानिक की टीम कर रही है। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

कराटे प्रतियोगिता में नितिन राणा के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़गांव। यहां आयोजित 4th जेएसकेएफआई इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में कोच नितिन सिंह राणा के खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। खिलाड़ियों ने इस कराटे टूर्नामेंट में 12 पदकों पर अपना कब्जा जमाया। इस दौरान कोच नितिन राणा एवं सुमित ने अपने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देते हुए उन्हें बधाई दी। खिलाड़ियों में सान्वी, निवान, मौलिक नादान ने गोल्ड किंशुक स्वरूप भटनागर ने सिल्वर, नवीन, यक्षित गोल्ड तविश, रयिर्थ, ओमांश ने ब्रॉन्ज एवं सोनी ने सिल्वर मैडल अर्जित किया।

केवीके तकनीकी नवाचारों के प्रसार का सशक्त माध्यम-कुलपति डॉ. सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा चौथी प्रसार शिक्षा परिषद बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि "कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) आधुनिक तकनीकों के त्वरित प्रसार एवं कृषि विकास की रीढ़ हैं।" उन्होंने कहा कि बाजार की मांग, उपभोक्ता की अपेक्षाएं और जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान की दिशा तय करनी होगी।

डॉ. बलराज सिंह ने निर्देश दिए कि केवीके अजमेर में बायोगैस इकाई, अलवर में खरीफ प्याज का क्षेत्र विस्तार, भरतपुर में सरसों खेतों के चारों ओर सौंफ की मेड़बंदी और दौसा में सौंफ क्षेत्र वृद्धि एवं मधुमक्खी पालन को प्राथमिकता दी जाए। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. शीशराम ढाका ने प्रसार निदेशालय और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा गत बैठक के सुझावों पर की गई कार्रवाई, गोद लिए गाँवों (सुरसिंगपुरा व बस्सी झाझड़ा), IFS मॉडल, सीड हब, गुणवत्ता बीज उत्पादन, एवं किसानों को दिए गए प्रशिक्षणों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर भाकृअनुप के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जे. पी. एस. डबास ने कहा कि प्रत्येक केवीके द्वारा "स्टार फार्मर्स" की सूची बनाकर उसका प्रदर्शन किया जाना चाहिए।

उन्होंने विवि स्तर पर "श्री कर्ण यूट्यूब चैनल" के माध्यम से सफल किसानों की कहानियों के प्रचार-प्रसार का सुझाव दिया ताकि देशभर के किसान लाभान्वित हो सकें। पद्मश्री कृषक सुंडा राम वर्मा ने कनकोड़ा, काचरी और काकड़ी जैसी पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देने की बात कही। श्याम सुंदर शर्मा (दौसा) ने संरक्षित खेती में सस्ते बीजों की उपलब्धता, लवणीय जल से खेती और इस पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के सुझाव दिए। बैठक में इफको के स्टेट हेड डॉ. सुधीर मान, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. बी. एल. आशीवाल, डॉ. बसंत कुमार भींचर (संचालन), डॉ रामावतार शर्मा (धन्यवाद ज्ञापन), सहित कई प्रगतिशील किसान और वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत जैव विविधता को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन सुनिश्चित करने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं अनुसंधान उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय की परिधि में सागवान के 700 पौधे रोपित किए गए। इस सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम में NSS के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

हरियालो राजस्थान अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' हरियाली तीज पर किया पौधरोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चूरू। शहर में 76 वे राज्यस्तरीय वन महोत्सव के तहत नगरपालिका तारानगर द्वारा मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत हरियालो राजस्थान अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' हरियाली तीज पर राजस्व कॉलोनी पार्क में अधिशाषी अधिकारी अजय प्रताप सिंह द्वारा पौधे लगाकर गतिशीलता प्रदान की गई। इस मौके पर प्रभारी पवनकुमार सोलंकी, कनिष्ठ तकनीकी सहायक यश कुमार शर्मा, लेखा सहायक सुरेन्द्र कुमार, एम.आई.एस मैनेजर विकास कुमार एवं शहरी रोजगार सहायक योगेश कुमार इन्दोरिया, नरेगा श्रमिक व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय कार्यक्रम शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी पर प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित कृषि सखी एवं सीआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी पर प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय (28 जुलाई से 1 अगस्त) कार्यक्रम की 28 जुलाई से शुरुआत की। कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ बी एल मीणा ने पांच दिवसीय कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों, कृषि सखियों एवं सभी सीआरपीयो का स्वागत करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को गाय आधारित खेती या "जीरो-बजट प्राकृतिक खेती" भी कहा जाता है, प्राकृतिक खेती रसायन-मुक्त कृषि प्रणाली है जो भारतीय परंपराओं और आधुनिक कृषि-पारिस्थितिकी सिद्धांतों पर आधारित है। यह खेती फसलों, पेड़ों और पशुधन को एकीकृत करती है, साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हमारी मृदा, पर्यावरण एवं आने वाली पीढ़ीयो को बचाना है तो हम सभी को प्राकृतिक या जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा। डॉ विकास कुमार ने मंच का संचालन करते बताया कि प्राकृतिक खेती की आवश्यकता को बताते हुए बीजामृत एवं जीवामृत का विस्तृत में जानकारी दी। डॉ गीतेश मिश्रा विषय विशेषज्ञ पशु पालन ने कहा कि प्राकृतिक खेती गाय आधारित खेती हैं गाय की अच्छी नस्ल एवं उनके स्वास्थ्य प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। बनवारी लाल शर्मा कृषि पर्यवेक्षक ने प्राकृतिक की रूपरेखा कृषि विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी दी। पदमाराम चौधरी प्राकृतिक खेती मास्टर ट्रेनर ने प्राकृतिक खेती में उपयोग आने वाले बीजामृत, जीवामृत ब्रह्मास्त्र, अग्निस्त्र एवं दशपर्णी की विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में तुर्फान खान फार्म मैनेजर, पीयूष तापड़िया,

नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांग वार्ता का समापन

क्रोध को क्षमा से शमन करें-प्रशांत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। "एक समय में अनेक कार्यों में उलझने के बजाय एक लक्ष्य तय कर उसे सतत प्रयासों से पूरा करना ही सफलता की कुंजी है। विफलता या पराजय केवल एक पड़ाव है, अंतिम परिणाम नहीं। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।" यह प्रेरणास्पद विचार नारायण सेवा संस्थान में आयोजित 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने दिव्यांगजनों और उनके परिजनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। अग्रवाल ने कहा कि क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, जिसे क्षमा और संयम से शांत किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी स्मरण कराया कि मनुष्य को अपने ज्ञान, धन या बाहुबल पर घमंड नहीं करना चाहिए। सबसे बड़ा बल ईश्वर का होता है, जिसकी कृपा से एक छोटी चींटी भी हाथी को परास्त कर सकती है।

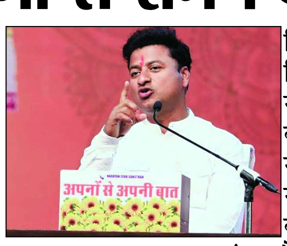

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए दिव्यांगजनों ने अपनी भावनाएं और संस्थान से जुड़े अनुभव साझा किए। मेरठ के भानुप्रताप सिंह, वैशाली के मुकेश कुमार, राजसमंद के धर्मराज, दिल्ली के छोटूलाल, भीलवाड़ा के राजवीर, बांसवाड़ा के कपिल मेहता और सहारनपुर के मोहम्मद अली ने बताया कि जन्मजात या दुर्घटनावश हाथ-पांव में आई विकृतियों के कारण चलना-फिरना असंभव था। लेकिन संस्थान में निःशुल्क सर्जरी, कृत्रिम अंग और कैलीपर के सहारे अब वे न केवल चल पा रहे हैं, बल्कि अपने दैनिक कार्य भी सहजता से कर पा रहे हैं। प्रयागराज से आए मानसिंह ने बताया कि वे अपने चार वर्षीय पुत्र को लेकर संस्थान आए हैं, जिसके दोनों पांव जन्म से मुड़े हुए थे। संस्थान में एक पांव का सफल ऑपरेशन हो चुका है, और कुछ दिनों में दूसरे पांव का ऑपरेशन भी प्रस्तावित है।

इस अवसर पर दिव्यांगजनों की दृढ़ इच्छाशक्ति और संस्थान की सेवा भावना ने मिलकर एक बार फिर यह साबित किया कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर हर चुनौती पर विजय पाई जा सकती है।

सिरोही में 6 बायोडीजल पम्प सील, नियम विरुद्ध चल रहे थे आउटलेट पम्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान के केबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा नें कुछ दिन पहले एकदम से सिरोही में आकर बड़ी कार्रवाई करते हुए बायोडीजल कि फैक्ट्रीयों व आउटलेट पम्प का निरीक्षण करने के बाद उन्हें तुरंत सील करने के निर्देश अधिकारियों कों दिये थे। उसी के तहत अब जिला रसद विभाग कि नींद खुली है, और कार्रवाई शुरू हुई। मंत्री नें दावा किया था कि इस बायोडीजल से वाहन खराब हों रहें है। जिसका दर्द स्वयं भारी वाहन चालकों नें केबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल कों सिरोही दौरे के दौरान बताया था। उसी के चलते मंत्री के निर्देश पर सिरोही जिले में रसद विभाग ने बीते दिनों बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध रूप से चल रहें बायोडीजल पंप को सीज कर दिया। यह कार्रवाई जिला रसद अधिकारी तेजसिंह मेड़तिया की सुपरविजन में की गई। बताया जा रहा सिरोही के पिण्डवाड़ा रेवदर और आबूरोड़ क्षेत्र में बायोडीजल के पम्प पर सीलिंग कि कार्रवाई हुई है।

क्या कहते है अधिकारी

जिला रसद अधिकारी तेज सिंह मेड़तिया ने बताया कि पिंडवाड़ा उपखंड अधिकारी मनसुख डामोर और तहसीलदार शंकरलाल परिहार की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। टीम ने पिंडवाड़ा के चवरली, सरूपगंज के बनास और रोहिडा के भारजा में स्थित पंप को सीज किया। साथ ही देलदर के किवरली, रेवदर के मीरपुर और मंडार के मगरीवाड़ा में संचालित पंप भी सीज किए गए।

ऐसे हुई कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले केबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने क्षेत्र का दौरा किया था। उन्होंने एक बायोडीजल फैक्ट्री समेत तीन अवैध पंप का निरीक्षण कर इन्हें सीज करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत रसद विभाग ने यह कार्रवाई की।

उदयपुर का झाड़ोल बना जैव विविधता की नई पहचान

प्रदेश में पहली बार दिखी 'लेसर ब्ल्यू-विंग' ड्रैगनफ्लाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नैसर्गिक सौंदर्यश्री से लकदक समृद्ध जैव विविधता वाली राजस्थान की धरती ने एक बार फिर जैव विविधता की दृष्टि से नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हाल ही में उदयपुर जिले की झाड़ोल तहसील के ब्राह्मणों का खेरवाड़ा गांव में एक दुर्लभ ड्रैगनफ्लाई देखी गई है, जिसे वैज्ञानिक समुदाय में रायोथेमिस ट्रायन्गुलेरिस (Rhyothemis triangularis) के नाम से जाना जाता है। इस दुर्लभ प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई की पहचान उदयपुर के सेवानिवृत्त वन अधिकारी और ख्यातिप्राप्त पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार शर्मा और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकलसिक्योरिटी के पर्यावरणविद डॉ. अनिल सरसावन, मनोहर पवार एवं विनोद पालीवाल ने की है।

राजस्थान में पहली उपस्थिति

डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि यह ड्रैगनफ्लाई आधे नीले और आधे सफेद रंग के पंख, तथा नीली-काली आभा वाला पेट, धड़ और टांगों से पहचानी जाती है। पंखों की इस खास नीलिमा के चलते इसे आमतौर पर "लेसर ब्ल्यू-विंग" कहा जाता है। उन्होंने बताया कि यह ड्रैगनफ्लाई राजस्थान में पहली बार दर्ज की गई है। अब तक यह प्रजाति भारत के केवल 7 राज्यों (असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक, उड़ीसा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल) में ही पाई जाती थी। अब राजस्थान भी इस सूची में शामिल हो गया है।

शोध पत्र भी प्रकाशित

मेवाड़ अंचल में इस ड्रैगनफ्लाई की पहली उपस्थिति पर आधारित विस्तृत शोध-पत्र प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका "जर्नल ऑफ थ्रेटन्ड टैक्सा" के जून 2025 (वॉल्यूम 17, अंक 6) में प्रकाशित हुआ है, जो इस खोज को वैज्ञानिक स्वीकृति भी प्रदान करता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए संदेश

यह खोज न केवल राजस्थान की जैव विविधता को वैश्विक नक्शे पर नया स्थान दिलाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जंगल, गांव और पारिस्थितिकी तंत्र आज भी अनमोल और अद्भुत जीवन रूपों के संरक्षण स्थल बने हुए हैं।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह आयोजित

विवि वैज्ञानिक, तकनीकी अनुसंधान द्वारा युवाओं में रचनात्मक क्षमता विकसित करें-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/भरतपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि ज्ञान का परिदृश्य पूरे विश्व में तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के चलते विश्वभर में कुशल कामगारों की जरूरत और मांग बढेगी। युवाओं को तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचते हुए विविध विषयों के बीच अर्न्तसंबंधों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। राज्यपाल बागडे मंगलवार को भरतपुर जिले के बीडीए ऑडिटोरियम में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता के आंकलन की सुव्यवस्थित पद्धति होनी चाहिए जिससे युवाओं के कौशल एवं ज्ञान का पारदर्शिता से आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज की भांति है जो निरंतर जीवन को निखारने का कार्य करती है। जिस प्रकार बीज एक पेड़ बनकर समाज को ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, ईंधन आदि देने का कार्य करता है उसी प्रकार शिक्षा प्राप्त करने वाले को भी अपनी ज्ञान का उपयोग समाज की प्रगति में करना चाहिये। शिक्षा का उद्देश्य जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज को दिशा देने एवं उत्थान के लिए होना चाहिए।

बागडे ने विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को आव्हान किया कि शिक्षा को उन्मुक्त बनाकर अधिक से अधिक फैलाऐं, जितना विस्तार होगा युवाओं में उतना ही बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति एवं अनुसंधान पद्धति पर गर्व हो इसके लिए विश्वविद्यालयों को कार्य योजना बनाकर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत 16 वीं सदी में दिया था जबकी भास्कराचार्य ने लीलावती ग्रंथ में काफी पहले ही सौरमंडल में गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था।

उन्होंने कहा कि जब विश्व में उच्च शिक्षा के लिए 6 विश्वविद्यालय हुआ करते थे उस समय भारत में दो विश्वविद्यालय नालंदा एवं तक्षशिला विद्यमान थे जिनमें विदेशी विद्यार्थी भी विद्या प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि समारोह में बालिकाओं की संख्या अधिक है हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी पहचान सिद्ध कर रही है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले आलोक रहे हैं यहीं से ज्ञान का प्रकाश विद्यार्थियों के जरिये चहुंओर फैलता है।

उन्होंने कहा कि आचार्य शास्त्रों के ज्ञान के सत्य को अपने विद्यार्थियों में संप्रेषित कर उन्हें बौद्धिक सामर्थ्य के साथ तैयार करें जिससे समाज को नई दिशा मिल सके। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री @ जनसुनवाई

जयपुर @ जागरूक जनता। सचिवालय और सिविल लाइंस स्थित कार्यालय पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे विधायकगण, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं जनता से मुलाकात कर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

राजस्थान वित्त निगम का औधोगिक शिविर आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान वित्त निगम द्वारा 30 जुलाई को प्रातः 10.00 बजे से सायंकाल 5.00 बजे तक शाखा कार्यालय- जयपुर (सेन्ट्रल) सी-96, जगन पथ, चौमू हाउस, सी-स्कीम, जयपुर में औधोगिक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के तहत युवा उद्यमियों से आवेदन व प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जायेगा। साथ ही, कैम्प में ऋण आवेदन पत्रावलियां तैयार करवाकर मौके पर ही स्वीकार की जायेंगी। राजस्थान वित्त निगम के उप प्रबंधक सत्यवान सिंघल ने बताया कि निगम द्वारा उद्यमियों को राहत पहुंचाते हुए नीतियों में सकारात्मक बदलाव किये हैं, जिसमें युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 45 वर्ष से कम आयु के सीनियर सैकण्डरी, स्नातक, डिप्लोमाधारी, तकनीकी स्नातक युवाओं को ब्याज सवमेंशन की लिमिट ऋण राशि एक करोड़ पचास लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की है।

1 अगस्त से बैलेंस चेक में लगेगी लिमिट, ऑटोपे और वेरिफिकेशन में भी बदलाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। UPI आधारित फाइनेंशियल ऐप्स का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए 1 अगस्त 2025 से कुछ बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। UPI प्लेटफॉर्म्स को मैनेज करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए कुछ नए नियम लागू किए हैं। इनका मकसद डिजिटल पेमेंट्स को और तेज और सुचारू करना है, ताकि यूजर्स को किसी तरह की दिक्कत न हो। NPCI के मुताबिक, सिस्टम पर गैर-जरूरी ट्रैफिक को कम करने के लिए ये कदम उठाए गए हैं।NPCI ने पाया कि यूजर्स बार-बार बैलेंस चेक करने या लिंक्ड बैंक अकाउंट्स की जानकारी लेने जैसे नॉन-फाइनेंशियल रिक्वेस्ट्स के कारण सिस्टम पर दबाव बढ़ रहा है। इसे कम करने के लिए अब एक यूजर किसी भी UPI ऐप पर दिन में अधिकतम 50 बार अपना बैंक बैलेंस चेक कर सकेगा। साथ ही, हर सफल ट्रांजैक्शन के बाद बैंक को अकाउंट में मौजूद बैलेंस को दिखाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, लिंक्ड अकाउंट्स की जानकारी लेने की लिमिट भी प्रति ऐप प्रतिदिन 25 बार तय की गई है। अगर इस दौरान कोई तकनीकी खराबी आती है, तो सिस्टम अपने आप रिट्राई नहीं करेगा। यूजर को खुद मैन्युअली रिक्वेस्ट डालनी होगी। UPI के ऑटोपे फीचर में भी बदलाव किए गए हैं। अब ऑटोपे मैनडेट्स को पीक आवर्स (सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे और शाम 5 बजे से रात 9.30 बजे) के बाद प्रोसेस किया जाएगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में चरक जयन्ती सप्ताह का समापन

जयपुर @ जागरूक जनता। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के संहिता एवं मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा प्रचलित चरक जयन्ती साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन 29 जुलाई,मंगलवार को हुआ। समापन कार्यक्रम में आयुर्वेद के शीर्ष विद्वान् प्रो रामबाबू द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में रोग परीक्षा विषय पर जानकारी देते हुए पुराने जड़ जमाए रोगों का समूल निवारण करने के लिए शास्त्रोक्त परीक्षा के महत्व के बारे में बताया। समापन

कार्यक्रम में संस्थान शल्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो हेमन्ता कुमार एवं प्रो निशा गुप्ता ने विभिन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आयें विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये । चरक जयंती पर आयोजित इस साप्ताहिक कार्यक्रम में आए हुए आयुर्वेद के विद्वानों ने कई रोगों के निदान और आयुर्वेद चिकित्सा पर जानकारी दी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

शान निराली आके देखो कितना ये जीशान है, 786/92 चांदी की जाली में सोया मेवाड़ी सुल्तान है

कुतबे ज़माना हजरत विलायत अली शाह साहब उर्फ
दीवाना शाह साहब र.अ. का 84वां उर्स शरीफ

तारीखें उर्स : 6 सफर 1447 हिजरी, मुताबिक 01 अगस्त 2025 शुक्रवार (जुम्आ) से शुरू होकर 8 सफर 1447 हिजरी, मुताबिक 03 अगस्त 2025 बरोज रविवार सुबह कुल की फातेहा होगी। लिहाजा शिरकते उर्स फरमाकर फैज़याब हों और अपना दामने उम्मीद भरें।

मिनजानिब : वक्फ कमेटी, दरगाह शरीफ, दीवाना नगर, कपासन, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) फोन : 01476-294212, 230212

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

मेवाड़ यूनिवर्सिटी : कृषि मंत्री ने किया फर्जीवाड़े का खुलासा।

ना पढ़ाई, ना क्लास, फिर भी पास!

जागरूक जनता @ इलियास मो. शेख
jagrukjanta.net

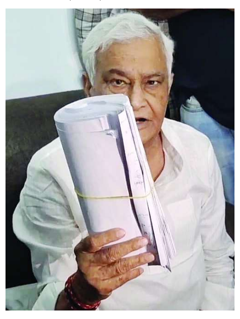

50 हजार में मिल रही थी फर्स्ट डिवीजन की डिग्री, पढ़ाई बिना परीक्षा और बिना उत्तर लिखे मिल रहा था पास का प्रमाण पत्र

चित्तौड़गढ़ (गंगरार)। जिले की मेवाड़ यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार मामला सीधे फर्जी डिग्रियों के गोरखधंधे से जुड़ा है। मंगलवार को राज्य के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने छात्र की शिकायत पर विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण कर तहलका मचा दिया। मंत्री के पास एक छात्र ने शिकायत की थी कि वह वाणिज्य संकाय का विद्यार्थी है, लेकिन बीकानेर के एक दलाल ने 50 हजार रुपये लेकर उसे मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एग्रीकल्चर की डिग्री के लिए भेज दिया। न तो कोई ऑनलाइन या ऑफलाइन पढ़ाई हुई, और न ही कक्षाएं चलीं। सीधे परीक्षा के लिए बुलाया गया, जहां हाथों-हाथ उत्तर पुस्तिकाएं जांची गईं और बिना सही उत्तर दिए ही उसे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर डिग्री थमा दी गई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए कृषि मंत्री स्वयं जांच टीम व दस्तावेजों के साथ यूनिवर्सिटी पहुंचे। निरीक्षण के दौरान छात्रों से बातचीत की गई और पीड़ित छात्र स्वतंत्र के बयान लिए गए। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि यह केवल एग्रीकल्चर ही नहीं, बल्कि हॉर्टिकल्चर और अन्य पाठ्यक्रमों में भी फर्जीवाड़ा चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस यूनिवर्सिटी की मान्यता ही नहीं है, ऐसे में दी जा रही डिग्रियां पूरी तरह फर्जी हैं। उन्होंने कहा– "महाराणा प्रताप के नाम से चल रही यूनिवर्सिटी में इस प्रकार की धोखाधड़ी बेहद निंदनीय है। युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है।" मंत्री ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग के माध्यम से एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। साथ ही उन्होंने पूर्व की एसओजी जांच की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। यूनिवर्सिटी में व्याख्याताओं की नियुक्तियों से लेकर अन्य अकादमिक गतिविधियों में भी अनियमितताओं की जांच करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा – मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल एवं सी.आर. पाटिल से की मुलाकात

राज्य में कृषि, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, आवास एवं जल सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति पर हुई चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय मंत्रियों से भेंट की। उन्होंने केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल से मुलाकात के दौरान राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

शर्मा ने कृषि भवन में शिवराज चौहान के साथ बैठक के दौरान प्रदेश में ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र, लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना सहित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान शर्मा ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से राजस्थान को इस वित्तीय वर्ष में मनरेगा योजना के तहत 4384 करोड़ रुपये जारी करने पर केन्द्रीय मंत्री का आभार जताया। कृषि भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने चौहान से राजस्थान में केन्द्रीय सहयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर 'कृषि पर्यवेक्षकों' की व्यवस्था करने, राज्य की बेहतर मूंगफली किस्मों के प्रोत्साहन हेतु अधिसूचित करने एवं राज्य में उत्पादित होने वाले अरंडी के तेल के संवर्धन के लिए आग्रह किया। उन्होंने चौहान को 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप', डिग्गी निर्माण और खेतों में तारबंदी से संबंधित योजनाओं के साथ ही जयपुर के बस्सी में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में इस महत्वपूर्ण योजना के तहत राजस्थान में बहुत शानदार कार्य हुआ है। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि प्रस्तावित आवासों के सर्वे के सत्यापन का कार्य पूरा होते ही अतिरिक्त मकानों के निर्माण की स्वीकृति दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के साथ ही राजस्थान में पीएम-जनमन योजना के तहत भी आवासों का निर्माण करवाया जाएगा और कुल 7.46 लाख मकान बनाए जाएंगे। बैठक में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, केन्द्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, केन्द्रीय ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित केन्द्र व राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मनोहर लाल और पाटिल से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने संसद भवन में केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राजस्थान में ऊर्जा क्षेत्र में नवीन संभावनाओं, आवासीय परियोजनाओं एवं शहरी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से अंतरराज्यीय प्रसारण तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं नवीकरणीय ऊर्जा की अतिरिक्त प्रसारण क्षमता के उपयोग हेतु आवश्यक आधारभूत संरचना निर्माण के लिए केन्द्रीय सहयोग का आग्रह किया। शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री से जयपुर के मेट्रो फेज-2 एवं ई-बस सेवा के त्वरित क्रियान्वयन के लिए भी केन्द्रीय सहायता के लिए अनुरोध किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से उनके राजकीय आवास पर भेंट की। शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री को राजस्थान में जल जीवन मिशन तथा राम जल सेतु लिंक परियोजना की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि इनसे राज्य में सिंचाई और पीने के लिए पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने पाटिल को बताया कि इस मानसून में राजस्थान में अच्छी बारिश होने से प्रदेश के जलाशय समय पूर्व भर चुके हैं तथा कर्मभूमि से मातृभूमि एवं वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के माध्यम से राज्य के भूजल स्तर में भी वृद्धि होगी।

पहले 'घर से स्वच्छता' की पहल करनी होगी-कुलपति डॉ सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कुलपति डॉ. बलराज सिंह के नेतृत्व में स्टाफ कॉलोनी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान पूरे जोश और सहभागिता के साथ चलाया गया, जिसमें स्टाफ कॉलोनी के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य परिसर को स्वच्छ, रोगमुक्त और अनुसंधानोन्मुख वातावरण प्रदान करना रहा। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि "स्वच्छता केवल अभियान नहीं, जीवनशैली बननी चाहिए। सबसे पहले 'घर से स्वच्छता' की पहल करनी होगी।"उन्होंने कहा कि "हर व्यक्ति यदि प्रतिदिन आधा घंटा सफाई को दे, तो न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि हमारे आस-पास का पर्यावरण भी स्वच्छ और सुंदर बनेगा।" अभियान के दौरान विश्वविद्यालय परिवार को स्वच्छ भारत मिशन की भावना के प्रति जागरूक किया गया और यह संदेश दिया गया– "घर-घर में स्वच्छता, देश बनेगा श्रेष्ठता।" यह पहल विवि समुदाय में स्वच्छता, सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जागरूकता को और अधिक सशक्त कर रही है। यह अभियान न केवल परिसर को स्वच्छ बना रहा है, बल्कि सकारात्मक सोच और स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

"एक पेड़ मां के नाम"कार्यक्रम का आयोजन

जोधपुर @ जागरूक जनता। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के माई भारत जोधपुर के नवोदय युवा मंडल बारु द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम बारु में करवाया गया। उपनिदेशक राजेश चौधरी के निर्देशानुसार युवा मंडल अध्यक्ष कुम्भा राम प्रजापत ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत श्री यादें माता मंदिर, घर और हॉस्पिटल परिसर के पास पेड़ लगाए गए और गांव के युवाओं ने भी अपने घरों के आगे पेड़ लगाए गए। साथ ही हरीश ने बताया कि पर्यावरण को हरा भरा रखना हम सबका कर्तव्य है। इस अवसर पर बलवीर सिंह, हनुमान राम, अशोक, नगा राम, साथीन ख़म्मा, आशा सहयोगिनी सुवा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

अलवर में 5 अगस्त से शुरू होगी सेना भर्ती रैली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। जिले के युवाओं के लिए सेना में भर्ती होने का सुनहरा अवसर एक बार फिर आ गया है। अलवर के आरआर कॉलेज मैदान में 5 अगस्त से सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है, जो 23 अगस्त तक चलेगी। इस भर्ती रैली में लगभग 6 हजार युवा प्रतिभागी शामिल होंगे, जो सेना में सेवा देने का सपना संजोए हुए हैं।

सेना भर्ती कार्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कॉलेज के मैदान में मैदान की सफाई, बैरियर लगाना, स्वास्थ्य जांच व अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सेना भर्ती के लिए युवाओं में खासा जोश देखने को मिल रहा है। भर्ती में शामिल होने वाले युवा सुबह-शाम मैदान में दौड़ लगाकर और शारीरिक अभ्यास कर पसीना बहा रहे हैं।

भारत से हो जाएगी UK, Australia के विवि में पढ़ाई, UGC से मिली अनुमति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया गया है। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (UGC) ने यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया की चार प्रमुख विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की अनुमति दे दी है। ये विश्वविद्यालय 2026 से भारत में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करेंगे।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी का पहला इंटरनेशनल कैंपस मुंबई में

यूके की प्रतिष्ठित University of Bristol को मुंबई में एंटरप्राइज कैंपस खोलने की अनुमति मिली है। यह ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी का पहला अंतरराष्ट्रीय कैंपस होगा, जो डेटा साइंस, इकोनॉमिक्स, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, इमर्सिव आर्ट्स जैसे विषयों में शिक्षा प्रदान करेगा। ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. एवलिन वेल्च ने कहा, "मुंबई कैंपस हमारे 150 वर्षों के इतिहास में एक बड़ा परिवर्तन है और वैश्विक समावेशी भविष्य की दिशा में एक गर्वपूर्ण कदम है।" मुंबई में कैंपस का स्थान शहर के मध्य के समीप होगा, जिससे छात्रों को तकनीक, नवाचार और कला के माहौल में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय Think Big स्कॉलरशिप योजना के तहत छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान करेगा।

तीन शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों को भी मिली मंजूरी

भारत सरकार ने ऑस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों – Western Sydney University (WSU), Victoria University (VU) और La Trobe University को भारत में कैंपस खोलने के लिए Letter of Intent जारी किया है।

1. Western Sydney University – ग्रेटर नोएडा

1989 में स्थापित WS एक प्रमुख पब्लिक रिसर्च यूनिवर्सिटी है। इसका ग्रेटर नोएडा कैंपस BA in Business Analytics, BA in Business Marketing, MBA in Innovation & Entrepreneurship, और MBA in Logistics and Supply Chain Management जैसे कोर्स प्रदान करेगा।

2. Victoria University – नोएडा

1916 में स्थापित और TAFE (वोकेशनल) व उच्च शिक्षा दोनों प्रदान करने वाली VU, नोएडा में Business, Data Science, Cyber Security में स्नातक और MBA, Master's in IT में परास्नातक कोर्स शुरू करेगी।

3. La Trobe University – बेंगलुरु

1964 में स्थापित La Trobe University बेंगलुरु में Business (Finance, Marketing, Management), Computer Science (AI, Software Engineering) और Public Health में अंडरग्रेजुएट कोर्स चलाएगी।

2023 में यूजीसी ने Foreign Higher Educational Institutions in India Regulations के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने की अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू की थी। इन नीतियों के तहत अब छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा भारत में ही उपलब्ध होगी, जिससे विदेश जाने की आवश्यकता कम होगी और देश में प्रतिभा को बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह कदम न केवल भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को वैश्विक बनाएगा, बल्कि देश को एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधान सभा को लोकतंत्र का जीवन्त स्थल बनाने में सहभागी बने

स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी विधानसभा

विधानसभा के तीन अधिकारी सेवानिवृत्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा अपनी स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा गठन के 75वें वर्ष में प्रवेश के साथ अमृत महोत्सव के शुभारम्भ की रूप रेखा तैयार की जा रही है। देवनानी मंगलवार को यहां विधान सभा में तीन अधिकारियों के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव श्री बनवारी लाल मीणा, सहायक सचिव श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा और निजी सचिव श्री पुरुषोत्तम शर्मा को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

लोकतंत्र का जीवन्त स्थल- देवनानी ने कहा कि देश की श्रेष्ठ विधानसभाओं में शुमार राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का जीवन्त स्थल है। विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को प्रतिदिन आमजन देखने आते है। श्री देवनानी ने विधान सभा कर्मियों का आव्हान किया कि वे भी लोकतंत्र के इस पावन स्थल को जीवन्त बनाने में सहभागी बने।

राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक- विधान सभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा और प्रभावशीलता सभी कर्मियों के परिश्रम और निष्ठा से ही सुनिश्चित होती है। इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोतम शर्मा, राजस्थान विधान सभा कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष ने देखी राजस्थान विधान सभा- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को यहां राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने बिंदल को राजस्थान विधान सभा का सदन और भवन का अवलोकन कराया।

देवनानी ने डॉ. जोशी को जन्मदिवस की दी बधाई- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी। देवनानी ने डॉ. जोशी को सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

पहलगाम आतंकवादी हमले का 'मास्टरमाइंड' मुठभेड़ में ढेर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

■ **नई दिल्ली :** जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके के जंगलों में सेना के शीर्ष पैरा कमांडो ने सोमवार को तीन आतंकियों को मार गिराया। माना जा रहा है कि इनमें से एक आतंकवादी पहलगाम में हुए हमले का मास्टरमाइंड हो सकता है। हालांकि, अभी आतंकियों की पहचान को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सेना की श्रीनगर बेस्ड चिनार कोर ने तीन आतंकियों के सफाए की पुष्टि की है।

सूत्रों के मुताबिक, मारे गए आतंकी लश्कर यानी टीआरएफ के आतंकी सुलेमान, जिबरान और हमजा हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, श्रीनगर के डाचीगांव जनरल एरिया में 11 जुलाई के आसपास एक संदिग्ध टेररिस्ट कम्युनिकेशन पकड़ा गया। संदेह था कि इस कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल करने वाला का संबंध पहलगाम हमले से सकता है। इसके बाद आर्मी की कई टुकड़ियों को उस इलाके में तैनात किया गया। तब से आर्मी की कई टीम इलाके में सर्च ऑपरेशन और निगरानी कर रही थीं। 4 पैरा की पट्रोलिंग पार्टी आतंकियों के हाइडआउट (छुपने का ठिकाना) की तलाश में थी। सोमवार सुबह उन्हें एक हाइडआउट दिखाई दिया, जिसके बाद कॉडकॉप्टर के जरिए उस इलाके में नजर रखी गई और देखा कि उसी में तीन आतंकी है। सेना की चिनार कोर ने जानकारी दी कि ऑपरेशन महादेव में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। जिस जगह आतंकियों से मुठभेड़ हुई, वहां से कई हथियार बरामद किए गए हैं।

सैटलाइट फोन के इस्तेमाल से ठिकाने का पता चला।

अधिकारियों ने किया दावा

- मारे गए तीनों आतंकी लश्कर-ए-तैबा यानी टीआरएफ के सुलेमान, जिबरान और हमजा हो सकते हैं।
- सुलेमान ही 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।
- जिबरान पिछले साल सोनमर्ग सुरंग हमले में कथित रूप से शामिल था।
- ऑपरेशन महादेव के तहत ऑपरेशन को दिया गया अंजाम।

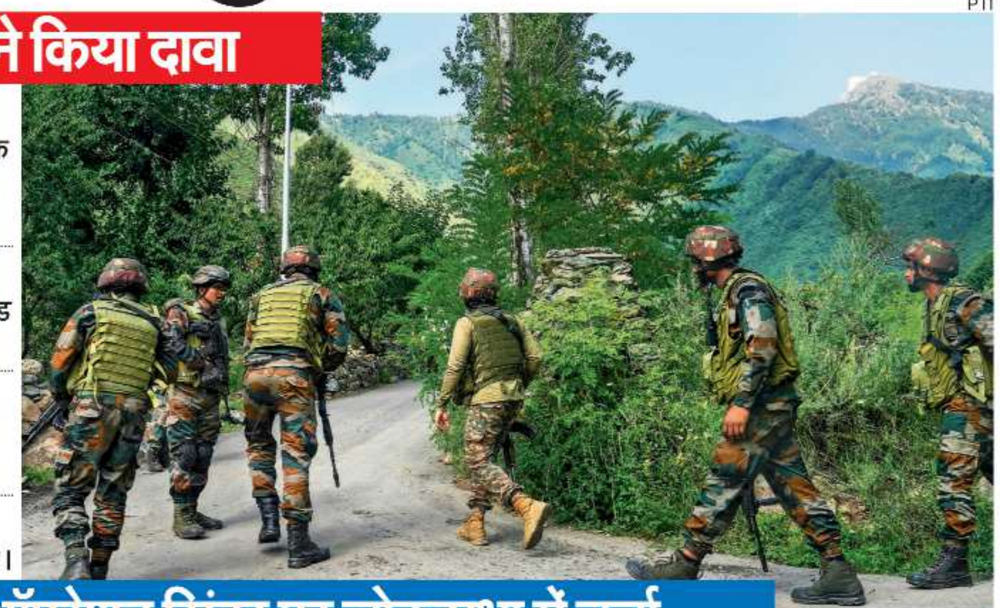
PTI

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा

परीक्षा में रिज़ल्ट अहम, कितनी पेंसिल टूटीं यह नहीं: राजनाथ

यह मानना कि ऑपरेशन किसी दबाव में रोका गया तो यह बेबुनियाद और सरासर गलत है।
- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्ष के नेताओं को निशाने पर लिया। उन्होंने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, यह पूछने के बजाय यह पूछना चाहिए कि देश की सेनाओ ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी परीक्षा के परिणाम में रिजल्ट मैटर करता है, यह नही देखना चाहिए कि एग्जाम के दौरान उसकी पेंसिल टूट गई थी या पेन खो गई थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया को पाकिस्तान के आतंकी इतिहास के बारे मे बताया।

विदेश मंत्री बोले, दुनिया आतंक के इतिहास के बारे में बताया

पहलगाम में आतंकी कैसे आए, रक्षा मंत्री ने नहीं बताया: गोगोई

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यो रोका गया था। पहलगाम में 26 बेगुनाह नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों है। उन्होंने कहा, 'राजनाथ सिंह जी ने बहुत सी सूचनाएं दी, लेकिन रक्षा मंत्री होने के नाते यह नहीं बताया कि पहलगाम मे आतंकी कैसे आ गए? आतंकवादियों ने कैसे वहां पहुंचकर लोगों की हत्या की?' गोगोई ने कहा, 'यह (रक्षा मंत्री) कहते हैं कि हमारा मकसद युद्ध नही था, क्यो नही था, यह होना चाहिए था।'

पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए।
– गौरव गोगोई, कांग्रेस नेता

ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला

मिल रही शाबाशी पांच बार के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या की जीत को भारतीय शतरंज के लिए महान जश्न करार दिया।

हमवतन कोनेरू हंपी को हराकर जीता खिताब | वर्ल्डकप जीता, अब वर्ल्ड चैंपियन की राह पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारत की युवा चेस प्लेयर दिव्या देशमुख ने सोमवार को फिडे विमिंस वर्ल्ड कप जीत लिया। उन्होंने जॉर्जिया के बातूमी में वर्ल्ड कप फाइनल के टाईब्रेकर में हमवतन कोनेरू हंपी को हराकर खिताबी मुकाबला 2.5-1.5 के अंतर से जीता। जीत के साथ दिव्या फिडे विमिंस वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्लेयर बन गई। टाईब्रेकर खेले जाने से पहले दिव्या और ग्रैंडमास्टर हंपी के बीच खेले गए दो क्लासिकल मैच ड्रॉ रहे थे। हंपी टाईब्रेकर में जीत की दावेदार मानी जा रही थीं, क्योंकि वह मौजूदा रैपिड वर्ल्ड चैंपियन हैं। हालांकि, 19 वर्षीय दिव्या ने अंततः मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद भावुक दिव्या ने सबसे पहले वहां मौजूद अपनी मां को गले लगाया। उन्होंने आगे कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। हालांकि, अभी हासिल करने के लिए बहुत कुछ बचा है। मैं उम्मीद करती हूं कि यह सिर्फ एक शुरुआत है।'

मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला। इससे पहले मेरे पास एक भी ग्रैंडमास्टर नॉर्म नही था और अब मै ग्रैंडमास्टर हूं। *- दिव्या देशमुख*

इसलिए खास है जीत

- दिव्या विमिंस फिडे वर्ल्ड कप को जीतने वाली पहली भारतीय प्लेयर है।
- जीत के साथ ग्रैंडमास्टर का टाइटल हासिल कर लिया। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली भारत की सिर्फ चौथी महिला प्लेयर हैं।
- दिव्या ने वर्ल्ड कप टाइटल जीतने के साथ 50,000 डॉलर (लगभग 41.6 लाख रुपये) की इनामी राशि भी अपने नाम की।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में पारंपरिक खाद्य एवं वैश्विक मानकों पर प्री.कंसल्टेटिव स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन

भारत की पारंपरिक आहार प्रणाली पोषण का साधन ही नहीं, यह हमारी जीवनशैली, संस्कृति और स्वास्थ्य का आधार भी है-शर्मा

ग्लोबल फूड रेगुलेटरी समिट 2025 GFRS पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में हुआ प्री.कंसल्टेटिव स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्लोबल फूड रेगुलेटरी समिट 2025 पर पारंपरिक खाद्य एवं वैश्विक मानकों विषय पर मंगलवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में प्री.कंसल्टेटिव स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक का उद्देश्य भारत की समृद्ध पारंपरिक खाद्य प्रणाली को वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा कि भारत की पारंपरिक आहार प्रणाली केवल पोषण का साधन नहीं बल्कि यह हमारी जीवनशैली, संस्कृति और स्वास्थ्य का आधार भी है। उन्होंने नीति.निर्माताओं, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खाद्य प्रणालियाँ कृषि विविधताए स्थानीय संसाधनों और मौसम अनुसार आहार की अवधारणा पर आधारित होती हैं।

विज्ञान एवं मानक CODEX भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण FSSAI की सलाहकार प्रोफेसर अल्का राव ने मुख्य वक्ता के रूप में पारंपरिक खाद्य के वैश्विक मानकीकरण में FSSAI की भूमिका एवं कार्य योजनाओं की जानकारी दी। प्रोफेसर मीता कोटेचा ने पारंपरिक खाद्य पद्धतियों की सांस्कृतिक एवं चिकित्सीय महत्व पर जानकारी दी। रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर अनुपम श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा यह प्री.कंसल्टेटिव बैठक GFRS 25 के लिए एक मार्गदर्शक सिद्ध होगी। इस बैठक में पारंपरिक खाद्य उत्पादकों, खाद्य व्यापार संगठनों, आयुर्वेद संबंधित संस्थानों RAMS, MSRARI जयपुर सहित कई स्टेकहोल्डर्स ने भाग लिया। विशेष संवाद सत्र में पारंपरिक खाद्य विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच उपयोगी चर्चाएं हुई, जिसमें पारंपरिक आहार प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने के उपायों पर विचार किया गया।

तकनीकी सत्र का संचालन डॉ रविंदर सिंह निदेशक FSSAI ने पारंपरिक खाद्य विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पारंपरिक खाद्य प्रणालियों के संरक्षणए संवर्धन एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों से जोड़ने हेतु सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजीविका द्वारा "सीआरपी प्लस" नीति को दी गई आधिकारिक स्वीकृति

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा "CRP Plus नीति" को आधिकारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह नई नीति राजस्थान के स्वयं सहायता समूहों (SHGs) एवं समुदाय आधारित संगठनों (CBOs) के सशक्तिकरण तथा विस्तार के कार्य में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य मिशन निदेशक नेहा गिरी ने बताया कि "सीआरपी प्लस नीति" का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में सबल और प्रभावी सामाजिक पुनर्निर्माण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना है। सीआरपी प्लस नीति के तहत 'विलेज सपोर्ट टीम' को प्रतिस्थापित कर सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP Plus) की नई व्यवस्था लागू की जा रही है, जिससे स्वयं सहायता समूह, ग्राम संघटन एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) आदि सामुदायिक संगठनों का सशक्तिकरण सुचारू रूप से किया जा सकेगा।

वन मंत्री ने किया "लेडी ऑफ द लेक्स" रणथंभौर की रानी मछली (टी-16) बाघिन को समर्पित स्मारक का अनावरण

बाघिन "मछली (टी-16)" की रहेगी चिरस्थायी स्मृति

विश्व बाघ दिवस पर भारत की सबसे प्रतिष्ठित बाघिन को आधिकारिक श्रद्धांजलि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रणथंभौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन "मछली (टी-16)" को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया। वन राज्यमंत्री ने विश्व टाइगर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व सवाई माधोपुर की पहचान है तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ यह स्मारक, न केवल उसकी विरासत को जीवंत करता है, बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा। उल्लेखनीय है कि रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म, 1997 में हुआ। वह अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण यह नाम पाई और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण "लेडी ऑफ द लेक्स" एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर "क्रोकोडाइल किलर" भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है, जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं।

प्रदेश में अब तक सामान्य से लगभग 88 प्रतिशत अधिक वर्षा

लबालब हुए प्रदेश के 226 बांध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इस मानसून में प्रदेशभर में हो रही अच्छी वर्षा से बांध और जलाशय लबालब होकर छलकने लगे हैं। अब तक राज्य के कुल 226 बांध पूरी तरह भर गए हैं या ओवरफ्लो हो गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अच्छी बारिश पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली का शुभ संकेत है। इस बारिश से प्रदेश में चारों तरफ हरियाली छा गई है और खेतों में फसलें लहलहा रही हैं। जल स्त्रोतों की भराव स्थिति से किसानों सहित सभी वर्गों में उत्साह है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान तथा वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के सार्थक परिणाम अब नजर आने लगे हैं। बारिश का अतिरिक्त पानी कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत बने रिचार्ज शाफ्ट और जल संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से जमीन में जा रहा है और भूजल का पुनर्भरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग से अगले चार वर्षों में 45 हजार जल संरचनाएं बनाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार प्रदेशभर में चलाए गए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण और संचयन के कार्यों से भी वर्षा जल संग्रहण में मदद मिल रही है। इसके तहत जलाशयों की मरम्मत, सफाई, जल निकासी व्यवस्था में सुधार, अतिक्रमण हटाना, बांध क्षेत्रों में श्रमदान, पौधरोपण, जल संग्रहण और जल संरक्षण संरचनाओं सम्बंधित कार्य किए गए। इन प्रयासों से वर्षा जल सीधे जलाशयों में पहुंच रहा है। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वर्षाकाल में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।

बांधों में 75.33 प्रतिशत जल संग्रहित

राज्य के जल संसाधन विभाग के अंतर्गत कुल 693 बांधों की पूर्ण भराव क्षमता 13026.511 एमक्यूएम है। इसमें से वर्तमान में 9813.162 एमक्यूएम जल संग्रहित है। यह कुल पूर्ण भराव क्षमता का 75.33 प्रतिशत है। बांधों में 15 जून से 28 जुलाई, 2025 तक 4167.89 एमक्यूएम (32 प्रतिशत) जल की आवक हुई है। राज्य के 23 वृहद बांधों में कुल पूर्ण भराव क्षमता 8196.754 एमक्यूएम है, जिनमें अभी 6896.52 एमक्यूएम (84.14 प्रतिशत) जल संग्रहित है। वहीं 670 मध्यम व लघु बांधों में 4829.756 एमक्यूएम पूर्ण भराव क्षमता के मुकाबले 2916.64 एमक्यूएम (60.39 प्रतिशत) जल भरा हुआ है। टोंक स्थित बीसलपुर बांध के सोमवार को 6 गेट खोले गए। पहली बार यह बांध जुलाई माह में ही ओवरफ्लो हुआ है। वहीं, कोटा स्थित नवनेरा बांध के 13 गेट खोले गए हैं। ईसरदा बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी वर्षा होने से जल प्रवाह शुरू हो गया है। आगामी समय में बीसलपुर से ईसरदा में जल संग्रहित किया जाएगा। साथ ही, कई बांध भी पूर्ण भराव क्षमता पर आ गए हैं।